चैत्र कृष्ण पक्ष-द्वितीया 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 239 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
05 मार्च 2026 गुरुवार

आज का मौसम
34.4 अधिकतम
15.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

भारत-इंग्लैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल आज

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल आज खेला जाएगा। शाम 7 बजे से मुकाबला शुरू होगा। भारत ने इस मैदान पर 71% टी-20 जीते हैं, लेकिन सेमीफाइनल में टीम का रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा। टीम इंडिया ने यहां मल्टिनेशन टूर्नामेंट के 4 सेमीफाइनल खेले और महज 1 जीता। इंग्लिश टीम ने सुपर-8 में शानदार खेल दिखाया और तीनों मैचों में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। कप्तान हैरी ब्रूक शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। ऐसे में कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है लेकिन सूर्या एंड कंपनी के पास बड़ा मौका है।

जबलपुर में दो पक्षों के बीच पथराव, गोली भी चली

जबलपुर। होली के मौके पर मध्य प्रदेश के जबलपुर में दो पक्षों के बीच पथराव हुआ है। घटना बुधवार रात की छोटी ओमती इलाके में हुई है। दोनों तरफ से पथराव के साथ गोली भी चलाई गई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने उपद्रव कर रहे लोगों को मौके से खदेड़ दिया है। एतिहात के तौर पर पुलिसबल को इलाके में तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, पथराव के साथ-साथ भीड़ में फायरिंग भी की गई है। कुछ लोग कदम तलैया के पास होली खेलने के बाद बैठ हुए थे। इसी दौरान कुछ युवक आए और वहां बैठे लोगों के साथ गाली गलौज करने लगे। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई।

वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व राजदूत एचके दुआ का निधन

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार एचके दुआ का बुधवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दुआ पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और तीन सप्ताह पहले उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एचके दुआ का अंतिम संस्कार आज लोधी रोड श्मशान पर किया गया । उनके परिवार में पत्नी अदिति और बेटा प्रशांत हैं। दुआ को संपादकीय स्वतंत्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। वह राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी रहे , जहां उन्होंने विदेशी मामलों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कंधमाल में 2 बाइकों की टक्कर में मासूम समेत 4 की मौत

अनुगुल। ओडिशा के कंधमाल जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में एक तीन वर्षीय मासूम बच्चे सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद से इलाके में कोहराम मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, गोछापाड़ा पुलिस सीमा के अंतर्गत आने वाले बुंदुली चौक के पास यह दुर्घटना हुई। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर चार लोग सवार होकर अपने किसी रिश्तेदार के घर जा रहे थे। तभी सामने से आ रही एक अन्य तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जाकर गिरे।

आज का कार्टून

युद्ध के 100 घंटे में 1000 की मौत, अमेरिका ने डुबाया ईरानी जहाज

तो... इजराइल के परमाणु केंद्र पर होगा हमला- ईरान

इजराइल का फिलिस्तीनी शरणार्थी कैंप पर अटैक

तेहरान /तेलअवीव. एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के सौ घंटे पूरे होने के साथ ही अब तक इस जंग में एक हजार हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। वहीं, इजराइल-अमेरिका में मिलकर 20 ईरानी जहाज डुबाए। ईरान ने पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के 9 देशों में बने अमेरिकी बेस पर हमला किया। इस बीच इजराइल ने लेबनान के त्रिपोली शहर में स्थित फिलिस्तीनी शरणार्थी कैंप पर हमला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला बेद्दावी रिफ्यूजी कैंप में हुआ,जो उत्तरी लेबनान का सबसे बड़ा फिलिस्तीनी शरणार्थी कैंप माना जाता है।

इस बीच ईरान ने इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। एक ईरानी सैन्य अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका और इजराइल, ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश करते हैं, तो ईरान इजराइल के डिमोना न्यूक्लियर सेंटर को निशाना बना सकता है। ईरानी न्यूज एजेंसी ISNA के मुताबिक, अधिकारी ने कहा कि ऐसी किसी भी कार्रवाई की स्थिति में दक्षिणी इजराइल में स्थित इस परमाणु केंद्र पर हमला किया जा सकता है।

32 ईरानी नौसैनिकों का श्रीलंका में रेस्क्यू

अमेरिका ने बुधवार को भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत IRIS देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया । हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। यह जानकारी श्रीलंकाई सरकार ने दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी जहाज को टॉरपीडो से निशाना बनाकर डुबा दिया। श्रीलंका की नेवी ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। जहाज पर लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था। श्रीलंकाई अधिकारियों ने अल जजीरा को बताया कि बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच (भारतीय समय के मुताबिक) मदद के लिए मैसेज भेजा। यह जहाज दक्षिणी श्रीलंका के गाले शहर से करीब 40 समुद्री मील दूर था।

ईरान को कमतर आंकने की भूल तो नहीं कर दी अमेरिका ने?

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले को 11 दिन बीच चुके हैं , पर युद्ध रुकने के आसार नहीं दिख रहे। इससे कई सवाल जेहन में उभरते हैं। अमेरिका ने ईरान को वेनेजुएला समझने की भूल तो नहीं कर दी? अमेरिका और इजराइल को क्या लगता था कि वह वेनेजुएला की तरह रातों रात ईरान को भी घुटनों पर ला देंगे? लंबा युद्ध खिचंने की स्थिति में अमेरिका ने वैकल्पिक योजना बनाई थी या नहीं? अब वह ईराक के कुर्द लड़ाकों को ईरानी शियाओं को ठिकाने लगाने के लिए अपनी सेना भेज रहा है। क्या अमेरिका ने यह अनुमान नहीं लगाया कि वह खुद को भले बचा ले लेकिन मिडिल ईस्ट में मौजूद अपने सैन्य ठिकानों, एयर बेस तथा उस पर मौजूद अमेरिकी सैनिकों की रक्षा कैसे कर पाएगा? क्या उसने यह नहीं सोचा कि खुद अमेरिका, अमेरिकन नागरिक और विश्व के दूसरे देशों पर इस युद्ध के क्या दुष्प्रभाव क्या होंगे?

नजरिया
राजेश सिरोठिया

ट्रम्प ने अपनी सनक के चलते ईराक पर भी ऐसा ही हमला किया था जब रासायनिक हथियारों के नाम पर उसने सद्दाम हुसैन के देश को बर्बाद कर दिया था। सद्दाम हुसैन को सबसे बुरी मौत मारा था। जबकि बाद में पता चला कि वहां कोई रासायनिक हथियार नहीं था। इस बार उसने ईरान पर परमाणु क्षमता विकसित करने के नाम पर हाहाकार मचाया। ईरान ने युद्ध के पहले ही यमन की मध्यस्थता के जरिए यह भरोसा दिलाया था कि वह अपनी परमाणु क्षमता का इस्तेमाल केवल उर्जा उत्पादन के लिए करेगा। लेकिन जिद्दी ट्रंप इस बात पर अड़ गए कि वह अपनी मिसाइल क्षमता को भी खत्म करे। सबको पता है कि ईरान का प्रमुख औजार मिसाइल ही होता है। ऐसे में भला वह अपनी सुरक्षा के सबसे अचूक हथियार को क्यों बर्बाद करेगा? अब सवाल यह भी है कि ईराक , वेनेजुएला की तरह क्या अमेरिका ईरान के तेल भंडारों पर भी कब्जा कर लेगा?

अमेरिका और इजराइल अयातुल्ला खमेनेई को मारने के बजाए गिरफ्तार कर लेते तो मुस्लिम समुदाय में उतना गुस्सा नहीं फैलता। लेकिन, अमेरिका ने पहले ही झटके में खमेनेई के साथ रक्षा मंत्री और ईरानी कमांडर को मारकर मान लिया कि अब शायद ईरान पलटवार की हालत में नहीं रहेगा। पर हुआ इससे उल्टा। खेमेनई विलेन से शहीद बन गए और ईरानी सेना और भी ज्यादा आक्रामक तरीके से पलटवार करने लगी। अमेरिका तक तो उसकी पहुंच मुमकिन नहीं थी लेकिन इजराइल के साथ मिडिल ईस्ट के वे सारे देश उसके हमले की जद में आ गए जहां अमेरिकी सैन्य बेस थे। ये हमले लगातार हो रहे हैं। अमेरिकाइजराइल के इस युद्ध से बेशक इस्लामी मुल्क बंट गए हैं। एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। पर इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कितना धक्का लगा? अमेरिकी नागरिकों का जीवन कितनी कठिनाइयों भरा होता चला जा रहा है? वैश्विक आर्थिक ग्लोबल चैन कितनी कमजोर होगी? ईधन को लेकर किस तरह का संकट खड़ा होगा? इजराइल को कितना नुकसान भुगतना पड़ेगा? उठते सवालों से साफ है कि अमेरिकी रणनीति में प्लान बी था ही नहीं। अब संकट बढने पर वह इसके बारे में सोच रहा है। यह सही है कि भारत के आपरेशन सिन्दूर के बाद चीन के डिफेंस सिस्टम की जो पोल खुली थी उसकी ईरान युद्ध के बाद पूरी तरह से पुष्टि हो गई है कि चीन कितने पानी में हैं।

ट्रम्प शायद भूल गए कि चीन चतुर चालाक और अपने आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाला देश है। इस युद्ध का दुनिया कितना भी दंश झेले लेकिन चीन की आर्थिकी पर कोई असर नहीं होने वाला। लहुलुहान अमेरिका और इसरायलही हुए हैं और मिडिल ईस्ट सहित कई देश भी इससे अछूते नहीं। भारत महीने डेढ़ महीने तो इस क्षेत्रीय महायुद्ध के साइड इफेक्ट को झेल लेगा लेकिन यदि हालाात जल्द सामान्य नहीं हुए तो हमें भी उसका खामियाजा भुगतने को पूरी तरह तैयार रहना होगा।

डिप्टी सीएम के लिए निशांत कुमार के नाम की चर्चा

नीतीश जाएंगे राज्यसभा, बिहार में भाजपा के सीएम की अटकलें

पटना . एजेंसी

बिहार में अब बड़ा राजनीतिक बदलाव होने जा रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कर इसकी जानकारी दी। अपने संदेश में उन्होंने जनता के विश्वास और समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा कि वे इस बार राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनना चाहते हैं।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से बिहार में एनडीए सरकार का मौजूदा फॉर्मूला उलट सकता है। अभी सरकार का ढांचा ऐसा है कि जेडीयू का मुख्यमंत्री है और भाजपा के दो डिप्टी सीएम हैं। लेकिन, नए संभावित फॉर्मूले में तस्वीर बदल सकती है। चर्चाओं के अनुसार भविष्य में भाजपा का मुख्यमंत्री और जेडीयू के दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला लागू किया जा सकता है।

सीएम की रेस में कई नाम: नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम सामने आ रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम मौजूदा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का है। इसके अलावा जेडीयू की ओर से निशांत कुमार और वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी के नाम भी चर्चा में हैं, जिन्हें संभावित डिप्टी सीएम के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा के पास करीब 89 विधायक हैं, जिससे वह एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी है। ऐसे में मुख्यमंत्री पद पर भाजपा का दावा स्वाभाविक माना जा रहा है। सम्राट चौधरी फिलहाल राज्य के डिप्टी सीएम हैं और उनके पास वित्त, स्वास्थ्य, शहरी विकास और गृह जैसे अहम विभाग हैं।

हैरान कर सकती है बीजेपी

बीजेपी किसी अन्य पिछड़े चेहरे को भी बतौर सीएम लांच कर सकती है। किसी महिला को भी जिम्मेदारी दी जा सकती है। बीजेपी अक्सर चौंकाने वाले फैसलों के लिए जानी जाती है। ऐसे में बीजेपी अगर बिहार से किसी ऐसे चेहरे को सीएम बना दें, जिसकी कहीं दूर-दूर चर्चा भी नहीं रही तो हैरानी की बात नहीं होगी। गृह मंत्री अमित शाह आज नितिन नवीन के नॉमिनेशन में शामिल होने के लिए पटना पहुंच रहे हैं। वे बीजेपी के सीनियर लीडर्स के साथ बैठक कर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से भाजपा की दशकों पुरानी मुराद पूरी हो जाएगी। उसे पहली बार बिहार में मुख्यमंत्री का पद मिलेगा। बिहार ही हिंदी हार्टलैंड का यह एकमात्र राज्य है, जहां बीजेपी अब तक सीएम की कुर्सी से दूर रही है। नीतीश कुमार के रहते कभी भाजपा का मुख्यमंत्री बिहार में नहीं बन पाया। अब दशकों पुरानी यह मुराद अब पूरी होने की राह पर है।

राज्यसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए जो लिस्ट जारी की है उसमें तेलंगाना से दो नाम है। अभिषेक मनु सिंघवी को फिर से नामित किया गया है।

दूसरे उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी हैं। छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को उम्मीदवार बनाया गया है। वे पार्टी की अनुभवी नेता हैं और राज्य में आदिवासी समुदाय के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। हरियाणा से करमवीर सिंह बौद्ध को टिकट दिया गया है। वे दलित समुदाय से आते हैं और राज्य में पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा को चुना गया है। वहीं तमिलनाडु से एम. क्रिस्टोफर तिलक को उम्मीदवार बनाया गया है। वे राज्य में पार्टी के लिए महत्वपूर्ण कार्यकर्ता हैं।

ट्रंप को यूएस ट्रेड कोर्ट से झटका टैरिफ रिफंड करने का आदेश

वाशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका के ट्रेड कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका देते हुए उन कंपनियों को टैरिफ (आयात शुल्क) की रकम वापस करने को कहा है जिन्हें पिछले साल लगाए गए शुल्क का भुगतान करना पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने इन टैरिफ को रद्द कर दिया था और अब यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन को आदेश दिया है कि वे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्क की रकम संबंधित कंपनियों को वापस करे।

जज रिचर्ड ईटन ने लिखा कि 'सभी इंपोर्टर्स ऑफ रिकॉर्ड जिनकी एंट्रीज IEEPA ड्यूटीज के अधीन थीं, वे हाई कोर्ट के फैसले से फायदा पाने के हकदार हैं। ' यह फैसला टेनेसी की एक फिल्ट्रेशन कंपनी के केस पर आया है, लेकिन जज ने कहा कि रिफंड से जुड़े सभी केस सिर्फ वह खुद सुनेंगे। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने फरवरी में 6-3 के फैसले से ट्रंप के इन इमरजेंसी टैरिफ को गैरकानूनी बताया था, क्योंकि IEEPA कानून राष्ट्रपति को ऐसे टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं देता। ट्रंप ने पिछले साल अप्रैल में 'लिबरेशन डे' टैरिफ लगाए थे, जो कई देशों पर 10 से शुरू होकर 50 फ़ीसदी तक जाते थे। इनसे सरकार को करीब 130 अरब डॉलर (लगभग 97 अरब पाउंड) मिले थे।

भोपाल में एक्यूआई 300 के करीब, फेफड़ों के लिए बढ़ा खतरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। झीलों के शहर भोपाल की आबोहवा पिछले 72 घंटों में तेजी से बिगड़ी है। मंगलवार को शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शहर के सबसे पॉश और हरे-भरे इलाके पर्यावरण परिसर में ही मंगलवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 291 रहा। यह स्थिति तब है जब मार्च की शुरुआत में एक्यूआई महज 85 के करीब था।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोमवार रात को हुए होलिका दहन के दौरान भारी मात्रा में निकले धुएं ने हवा में प्रदूषकों का स्तर बढ़ा दिया है। इसके अलावा, सड़कों की धूल और बढ़ते निर्माण कार्यों ने आग में घी डालने का काम किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, हवा में मौजूद PM 2.5 सबसे घातक है। यह इतना सूक्ष्म होता है कि सीधे फेफड़ों में पहुंचकर गंभीर बीमारियां पैदा करता है। अधिकारियों ने प्रदूषण बढ़ने के पीछे खराब सड़कें और होलिका दहन के साथ के साथ शहर में चल रहे मेट्रो और अन्य कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स से हवा में बने धूल के कणों को कारन बताया है।

मेट्रो एंकर | 'द लैंसेट ऑन्कोलॉजी' की रिपोर्ट , एक लाख महिलाओं में से 29 को हो रही बीमारी

भारत में ब्रेस्ट कैंसर के डराने वाले आंकड़े, 130 फ़ीसदी बढ़े केस

नई दिल्ली. एजेंसी

कैंसर का नाम सुनते ही सिर्फ मरीज को ही झटका नहीं लगता, बल्कि पूरा परिवार सन्न रह जाता है। भारत में तेजी से बढ़ते कैंसर के मामले चिंता की बात है। खासकर महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर के आंकड़े जितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, उन पर वक्त रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो 2050 तक स्थिति गंभीर हो जाएगी।

204 देशों की एक स्टडी के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच भारत में ब्रेस्ट कैंसर के मामले लगभग 1.3 गुना बढ़ गए हैं। स्टडी का अनुमान है कि अगर रिस्क फैक्टर्स को ठीक नहीं किया गया, तो 2050 तक मामलों में और भारी बढ़ोतरी होगी। 'द लैंसेट ऑन्कोलॉजी' में छपी रिपोर्ट 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी ब्रेस्ट कैंसर कोलैबोरेटर्स' में कहा गया है कि भारत में मामलों की दर 1990 में प्रति 1 लाख महिलाओं पर 13 से बढ़कर 2023 में प्रति 1 लाख पर 29.4 हो गई। इसी टाइम फ्रेम में उम्र के हिसाब से मृत्यु दर 8.9 से बढ़कर 15.5 हो गई, जिससे भारत में ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों में 74% की बढ़ोतरी हुई।

इम्यूनोथेरेपी का खर्च बड़ी चुनौती

टाटा मेमोरियल सेंटर की एक नई स्टडी से पता चला है कि कई मॉडर्न कैंसर की दवाएं खासकर इम्यूनोथेरेपी भारत और दुनिया भर में ज्यादातर लोगों के लिए बहुत महंगी हैं। स्टडी के मुताबिक, इम्यूनोथेरेपी दवा, पेम्ब्रोलिजुमाब का 6 महीने का कोर्स ज्यादातर भारतीयों की औसत महीने की इनकम से लगभग 80 गुना महंगा है। दुनिया भर में 2023 में 55 साल या उससे ज्यादा उम्र की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के नए मामलों का पता 20-54 साल की महिलाओं की तुलना में 3 गुना ज्यादा चला। हालांकि 1990 से 20-54 साल की महिलाओं में नए मामलों की दर बढ़ी है, जबकि ज्यादा उम्र की महिलाओं में दर में कोई खास बदलाव नहीं आया है। स्टडी में कहा गया है, 'भारत जैसे मिडिल-इनकम वाले देशों में ब्रेस्ट कैंसर का कुल आर्थिक बोझ 2021 में 74,474 करोड़ रुपये था और 2030 तक इसके 128,957 करोड़ रुपये तक बढ़ने का अनुमान है क्योंकि इसके मामले बढ़ते जा रहे हैं।'इसमें आगे कहा गया है कि ज्यादातर मामले बदले जा सकने वाले रिस्क फैक्टर की वजह से होते हैं, जिनमें ज्यादा रेड मीट खाना, तंबाकू, हाई ब्लड शुगर और हाई BMI (लंबाई के हिसाब से अधिक वजन) शामिल हैं।

2050 तक कैंसर के मरीजों में आएगा भारी उछाल: ब्रेस्ट कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में कैंसर से जुड़ी बीमारी और समय से पहले मौत का मुख्य कारण बना हुआ है। 2023 के बाद एक अनुमान है कि ब्रेस्ट कैंसर के 23 लाख नए मामले सामने आएंगे और 7.6 लाख मौतें होंगी। लैंसेट स्टडी में कहा गया है कि 2050 तक बेहतर इलाज के बावजूद मामले एक तिहाई बढ़कर 35 लाख हो सकते हैं।

अतिक्रमण से मुक्त कराए गए इलाके में अब भी चालू है खुले आम मांस-मछली की बिक्री

जरा इधर भी गौर फरमाइये साहब... सीएम के निर्देशों की सरकारी महकमे उड़ा रहे धज्जियां

दोपहर मेट्रो
फॉलोअप
रोहन सिरोठिया

भोपाल

राजधानी के आनंद नगर इलाके में राम मंदिर के सामने और हनुमान मंदिर के बाजू में स्थित अतिक्रमण से मुक्त कराए गए इलाके में खुले आम मांस मछली की बिक्री अब भी चालू है । मुख्यमंत्री के साफ दिशा निर्देशों के बावजूद इस पर कोई रोक नहीं लग सकी है। यही नहीं पास ही मौजूद शराब दुकान के सामने इसी अतिक्रमण मुक्त इलाके के चबूतरों पर बैठकर सार्वजनिक रूप से मदिरा प्रेमियों का जमावड़ा भी आबकारी नीति का उल्लंघन कर रहा है जिसके तहत न तो शराब दुकानों के पास अहाता खुलेगा और न कोई खुले में शराब का सेवन कर सकेगा।

दोपहर मेट्रो ने 26 फरवरी को भोपाल के पूर्वी मुहाने पर स्थित आनंदर नगर इलाके में राम मंदिर के सामने और हनुमान मंदिर तथा पिपलानी पुलिस चौकी के बाजू में अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन पर खुले आम मांस , मुर्गे कटने और मछली बिकने की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसके बाद सूबे के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने ऐलान किया कि खुले में मांस मछली की बिक्री नहीं होगी। दोपहर मेट्रो ने अपनी खबर और मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशों के हफ्ते भर बाद फिर से इलाके का जायजा लिया तो हालात जस से तस मिले। गौरतलब है कि रायसेन होते हुए सागर, विदिशा की ओर जाने और वहां से आने वाले वाहन आनंद नगर के इस बॉटल नेक में अक्सर जाम में फंस जाते हैं। राम मंदिर के सामने अतिक्रमण करके बनी गुमटियां इस रास्ते को बाधित करती हैं तो दूसरी तरफ मंदिर के ठीक सामने सब्जियों के ठेले आवागमन को अवरूद्ध करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पिछले महीने अतिक्रमण मुहिम के पहले चरण में हनुमान मंदिर और पिपलानी पुलिस चौकी के बाजू में स्थित गुमटियों को हटाकर सडक़ चौड़ीकरण के लिए रास्ता साफ कराया था। लेकिन महीने भर बीतने के बावजूद न तो मुक्त कराई गई भूमि पर सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो सकी और न सड़क के दूसरी ओर सब्जियों के ठेलों को हटाकर सडक़ को अतिक्मण से मुक्त कराने की कोई कार्रवाई हुई। इसके चलते जो मांस - मछली गुमटियों में बिकता था वह उनके हटने के बाद गुमटियों में तब्दील होने से बचे फुटपाथ पर बिकना शुरू हो गया । यही नहीं वहां दूसरे सामानों की बिक्री भी होने लगी। सडक़ चौड़ीकरण का सिद्धांत यही है कि जैसे -जैसे जमीन अतिक्रमण से मुक्त हो, वहां पक्की सडक़ बनाई जाए,ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो सके। लेकिन आनंद नगर में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशों के तहत न तो नगर निगम के सडक़ निर्माण अमले ने इसकी कोई सुध ली और न उसकी स्वास्थ्य शाखा ने दूषित मांस मछली बिकने से मानव स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान से बचाने पर ध्यान दिया। पिपलानी पुलिस भी हाथ पर हाथ भरे बैठी है। पुलिस सहित तमाम सरकारी विभागों को मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशों की कतई परवाह नहीं हैं।

> मामला हमारे ध्यान में लाया गया है। हम नगर निगम और संबधित एजेंसियों से बात करके रोड निर्माण से लेकर दुकानों की शिफ्टिंग तक का काम कराने का प्रयास करेंगे।
>
> -संकेत भोंडवे, आयुक्त नगरीय प्रशासन विभाग

व्यवस्थापन का विकल्प है पर किसी को इसकी फुरसत नहीं

सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री और इस इलाके के तीन दशकों से ज्यादा विधायक रहे स्व. बाबूलाल गौर भी कहते रहे कि आनंद नगर की दुकानों का व्यवस्थापन कराएंगे। लेकिन नतीजा सिफर रहा। यहां तक कि उनकी बहू और मौजूदा विधायक तथा राज्य मंत्री कृष्णा गौर को भी आम लोगों की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं दिखता। तकरीबन आधा दर्जन इंजीनियरिंग कॉलेज की बसें भी वहां से गुजरती हैं। यही नहीं पिपलानी पुलिस चौकी के सामने सार्वजनिक परिवहन सेवा की बसों से लेकर ऑटो और बैटरी संचालित टुकटुक गाडिय़ों का जमावड़ा भी सडक़ पर लगा रहता है। लेकिन पुलिस को कोई फिक्र नहीं। यातायात पुलिस का कोई एक सिपाही भी नहीं रहता जो आवागमन को दुरूस्त कर सके। यातायात पुलिस का ध्यान तो आधा किलोमीटर दूर यानि अयोध्या बायपास तिराहे के पास सिर्फ चालानी कार्रवाई और अवैध वसूली तक सीमित है। आनंद नगर की इन दुकानों को पास ही सटे जम्बूरी मैदान की दीवार के पीछे कर दिया जाए तो किसी का रोजगार भी नहीं छिनेगा और फोरलेन रोड पर आवागमन भी सुनिश्चित हो सकता है। इसके साथ ही इसी दीवार के पास बस स्टापेज बना दें तो यातायात में कोई खलल पैदा नहीं होगा। लोग मांस- मछली से लेकर सब्जी तक की खरीददारी जम्बूरी मैदान के एंट्रेंस गेट से प्रवेश करके कर सकते हैं।

प्रदेश में 22 लाख आकांक्षी, युवा संगम में 2.35 लाख आवेदन आए, केवल 90 हजार को मिला रोजगार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में रोजगार पंजीयन पोर्टल पर 22,51,167 आकांक्षी युवा दर्ज हैं, लेकिन नौकरी मिलने का आंकड़ा अपेक्षा से काफी कम है। प्रदेशभर में आयोजित 'युवा संगम' कार्यक्रमों में 2.35 लाख युवाओं ने आवेदन किया, जिनमें से केवल 90 हजार को ही रोजगार मिल पाया।

राज्य सरकार जहां कौशल विकास और निजी क्षेत्र में अवसरों के विस्तार के दावे कर रही है, वहीं विधानसभा के बजट सत्र में बेरोजगारी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। आंकड़े बताते हैं कि पंजीयन बढ़ रहे हैं, पर स्थायी और सम्मानजनक रोजगार की उपलब्धता अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच रोजगार पंजीयन के आंकड़ों में लगातार उतार-चढ़ाव देखा गया। वर्ष 2023 में सर्वाधिक 13,71,134 युवाओं ने पंजीयन कराया, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 17,05,369 रही। 31 दिसंबर की स्थिति में जीवित पंजीयन वर्ष 2023 में 33.13 लाख तक पहुंच गया था, जो वर्ष 2020 में 24.72 लाख था। वर्ष 2025-26 में वर्तमान में 22 लाख 51 हजार युवा पंजीकृत हैं। बीते एक वर्ष में 95,130 नए बेरोजगार युवाओं ने पंजीयन कराया है।

सरकार ने निजी कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तर पर युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किए। कुल 2,35,842 आवेदन आए, लेकिन 90 हजार युवाओं को ही रोजगार मिल सका। वर्ष 2024-25 में 10 कंपनियों ने 53,921 ऑफर लेटर जारी किए। इनमें औसत वेतन 5,000 से 28,000 रुपये के बीच रहा। प्रमुख नियुक्तियों में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 12,984, एलएंडटी द्वारा 6,230 और एसबीआई लाइफ द्वारा 4,402 ऑफर लेटर शामिल हैं। पांच मार्च को शाजापुर और 11 मार्च को बैतूल में भी युवा संगम कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, जिनमें देश-प्रदेश की कंपनियां भर्ती प्रक्रिया संचालित करेंगी।

विधानसभा में गूंजा मुद्दा

हाल ही में हुए बजट सत्र में बेरोजगारी को लेकर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने रहे। मंत्री गौतम टेटवाल ने कौशल विकास योजनाओं और आईटीआई प्रशिक्षण को रोजगार का माध्यम बताया। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल उठाया कि प्रशिक्षण के बाद रोजगार की गारंटी क्या है। उन्होंने निजी कंपनियों में प्रदेश के युवाओं के लिए 80 प्रतिशत कोटा निर्धारित करने की मांग भी की।

18 जिलों में 50 हजार से अधिक बेरोजगार

प्रदेश के 18 जिलों रीवा, सागर, सतना, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, इंदौर, मुरैना, बैतूल, भिंड, छतरपुर, देवास, खरगोन, सिवनी, शिवपुरी, उज्जैन, नर्मदापुरम और राजगढ़ में 50 हजार से अधिक युवा बेरोजगार के रूप में पंजीकृत हैं। आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि पंजीयन और कार्यक्रमों के बावजूद रोजगार सृजन की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। अब नजर आगामी युवा संगम कार्यक्रमों और सरकार की नीतिगत पहल पर टिकी है।

भोपाल में मरीज को देखने से रोका तो भड़के परिजन, पत्थर फेंके वाहन फोड़े

3 पुलिसकर्मी घायल; हिरासत में आधा दर्जन हमलावर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के पटेल नगर स्थित लक्ष्मी हॉस्पिटल में एक युवक की मौत के बाद बुधवार दोपहर को पुलिस पर पत्थर बरसाने, वाहन फोड़ने के मामले में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए थे। हिरासत में लिए युवकों ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि युवक को चक्कर आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया था।

साधारण समस्या के बावजूद युवक को आईसीयू में भर्ती कर लिया गया। क्या इलाज किया, कैसे किया और किसने किया, यह अस्पताल के जिम्मेदार परिजनों को नहीं बता रहे थे। आखिरी समय में किसी को भी युवक से मिलने नहीं दिया गया। इससे परिजनों को अस्पताल की नीयत पर शक हुआ। स्टॉफ से बात की तो उन्होंने बदसलूकी कर इलाज करने वाले डॉक्टर से मिलाने से इनकार कर दिया। जिसके बाद लोगों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। पुलिस के आने पर भीड़ और भड़क गई और उन्होंने हमला कर दिया। इधर, पुलिस ने बलवा शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

परिजनों का आरोप था कि इलाज में लापरवाही की गई। डॉक्टरों की लापरवाही के चलते लक्ष्मण की मौत हुई है। मौत के बाद मृतक के परिजन इलाज करने वाले डॉक्टर से मिलना चाहते थे। अस्पताल स्टाफ ने फिलहाल डॉक्टर का अस्पताल में न होने की जानकारी दी। इसके बाद भड़के परिजनों ने हंगामा शुरू किया और अस्पताल में तोड़-फोड़ कर दी।

हंगामा बढ़ता देख अस्पताल के स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों से थाने चलकर शिकायत दर्ज करने की बात कही। आश्वासन दिया के मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे उचित कार्रवाई तय की जाएगी। इसके बाद भी लोग तत्काल कार्रवाई करते हुए इलाज करने वाले डॉक्टर की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इसी मांग के चलते परिजन पुलिस से बढ़ गए और विवाद बढ़ गया। जिसके बाद पथराव किया गया। भीड़ पर काबू पाने पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया।

थाना प्रभारी बोले- कार्डिएक अरेस्ट से हुई मौत

पिपलानी थाने के टीआई चंद्रिका यादव ने बताया कि लक्ष्मण बंशकार आदमपुर छावनी का रहने वाला था। वह मजदूरी करता था। 2 फरवरी को अचानक ही घर में चक्कर आने के बाद बेहोश हो गया था। इलाज के लिए उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसके सिर में क्लाटिंग होने की पुष्टि हुई। इलाज के दौरान बुधवार सुबह 10:30 बजे उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने मौत का कारण कार्डिएक अरेस्ट बताया। शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। आरक्षक हेमंत और प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र को कान में चोट लगी है। एक अन्य पुलिसकर्मी को मामूली चोट आई है। गोविंदपुरा थाने के प्रभारी अवधेश सिंह तोमर की सरकारी बोलेरो का कांच फूट गया है। पुलिस के एक अन्य वाहन को भी आरोपियों ने फोड़ दिया है। पथराव तीन तरफ से किया गया, जिसमें 50 से अधिक लोग शामिल थे। हमलावरों में आदमपुर छावनी गांव लोग शामिल हैं।

भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी संजय अग्रवाल की पुस्तक का विमोचन

सहज, सरल हवा के झोंके की तरह है किताब 'F 5, जिंदगी का रिफ्रेश बटन'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी संजय अग्रवाल की दूसरी किताब F 5 , जिंदगी का रिफ्रेश बटन का विमोचन सुभाष स्कूल सभागार में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड अपर मुख्य सचिव एवं वर्तमान निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने की। विशेष अतिथि के रूप में डॉ सुधीर आज़ाद, वरिष्ठ साहित्यकार, डॉ संजय मेहता वरिष्ठ रंगकर्मी एवं श्रीमती कमल चंद्रा, वरिष्ठ लेखिका उपस्थित थे। किताब का परिचय देते हुए सुहास मिश्रा ने कहा कि संजय अग्रवाल को एक्सप्लेन करना और किताब को एक्सप्लेन करना एक ही बात है। सहज सरल और हवा के झोंके की तरह। कमल चंद्रा ने किताब के विभिन्न अंशों को पढ़ कर उनकी व्याख्या की।

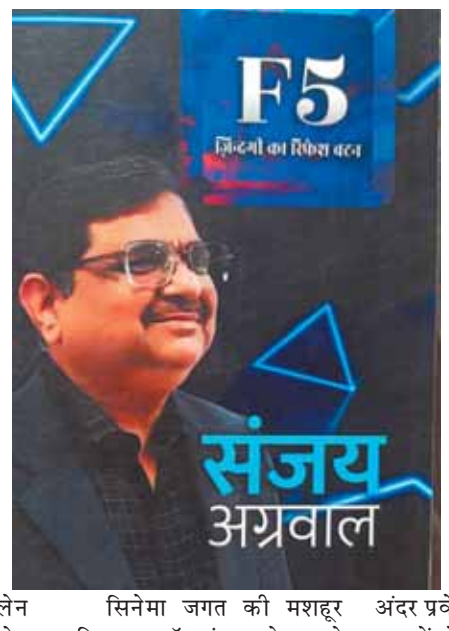

सिनेमा जगत की मशहूर शख्सियत डॉ संजय मेहता ने अपने उद्बोधन में कहा कि इसमें क्लिष्ट की जगह आसान भाषा का प्रयोग है जो बिना किसी पूर्वाग्रह के लोगो को पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। स्न 5 बटन को 5 इंद्रियों से परिभाषित किया है ! डॉ सुधीर आजाद ने कहा कि किताब में रिश्ते हैं और उनके बीच में संवाद है, समाधान है और यही किताब की कामयाबी है। श्री अग्रवाल के पिता आर बी अग्रवाल ने बधाई देते हुए लगातार लिखने को प्रेरित किया।

अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव पुस्तक की तुलना फोटोग्राफिक लेंस से करते हुए कहा कि इस पुस्तक के द्वारा ज्ञान का प्रकाश मन के अंदर प्रवेश कर रहा है। आधुनिक युग में ये 5 बटन ही जीवन के आधार हैं। रिफ्रेश बटन अपडेट करने के लिए है, जिसका एड्रेस चेंज नहीं होता। कार्यक्रम का संचालन डॉ अल्पना वर्मा और जितेंद्र सिरोठिया ने किया।

मप्र में 37 डिग्री पर तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मार्च की शुरुआत में ही मध्य प्रदेश में गर्मी तेवर दिखा रही है। पारा सामान्य से 3 डिग्री तक उछल गया है। होली के दिन बुधवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया। वहीं, रात में 19 डिग्री रहा। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ी, जबकि भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर भी गर्म रहे।

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले 4 दिन तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। 6 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इसके असर से कुछ हिस्सों में मौसम बदल सकता है। यहां हल्की बारिश और बादल रह सकते हैं।

मौसम विभाग की माने तो अगले 4 दिन के अंदर प्रदेश में अधिकतम तापमान 4 डिग्री तक बढ़ेगा। ऐसे में संभावना है कि मार्च के पहले ही पखवाड़े में प्रदेश में पारा 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। होली पर पूरे प्रदेश में तेज धूप खिली रही। कहीं भी बारिश या बादल नहीं छाए। इस वजह से गर्मी का असर तेज रहा। नर्मदापुरम में इस सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री पहुंच गया। धार, रतलाम और सागर में पारा 36 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया।वहीं, गुना, दमोह, खंडवा, टीकमगढ़, खजुराहो, खरगोन, श्योपुर और मंडला में तापमान 35 डिग्री से ज्यादा ही रहा। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में ही पारा 30 डिग्री से नीचे रहा। बाकी शहरों में इससे ज्यादा ही रहा। प्रदेश में दिन के साथ रातें भी गर्म हो गई हैं। मंगलवार-बुधवार की रात में बैतूल, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, रतलाम, श्योपुर, जबलपुर, नरसिंहपुर, सागर, सिवनी, टीकमगढ़ में पारा 16 डिग्री या इससे अधिक रहा।

भोपाल एयरपोर्ट पर 10 रुपए की मिलेगी चाय , प्रस्ताव भेजा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हवाई यात्रियों को जल्द ही एयरपोर्ट पर 10 रुपए की चाय और 20 रुपए का नाश्ता मिल सकता है। राजा भोज हवाई अड्डा पर 'उड़ान यात्री कैफे' शुरू करने के लिए प्रस्ताव मुख्यालय भेज दिया गया है। स्वीकृति मिलते ही यहां भी तय दरों पर फूड काउंटर शुरू किया जाएगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय की नीति के तहत संचालित होने वाले आधिकारिक 'उड़ान यात्री कैफे' के लिए भोपाल को अगले

चरण में शामिल किया जा सकता है। अवस्थी के मुताबिक, मंत्रालय एयरपोर्ट के यात्री वॉल्यूम और मूवमेंट के आधार पर चरणबद्ध तरीके से एयरपोर्ट का चयन कर रहा है। पहले अधिक यात्री संख्या वाले एयरपोर्ट को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को शामिल किया गया है, जहां भोपाल की तुलना में यात्री संख्या ज्यादा हैं।

एयरपोर्ट डायरेक्टर ने बताया कि भोपाल एयरपोर्ट पर पहले से एक लो-कॉस्ट फूड आउटलेट संचालित है, जहां 10-20 रुपए की दरों पर कुछ खाद्य सामग्री उपलब्ध हैं। हालांकि यह मंत्रालय की आधिकारिक 'उड़ान यात्री कैफे' योजना के तहत नहीं है। अवस्थी ने कहा कि मुख्यालय से अप्रूवल मिलते ही टेंडर आमंत्रित किया जाएगा। टेंडर में स्पष्ट रूप से तय रहेगा कि चाय, कॉफी, पानी, समोसा, कचोरी, इडली-सांभर और बेसिक थाली जैसी वस्तुएं निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध करानी होंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दो-चार महीने में मंजूरी मिल सकती है, जिसके बाद भोपाल के यात्रियों को भी एयरपोर्ट पर सस्ती दरों पर भोजन की सुविधा मिलेगी।

एक्सपर्ट व्यू

प्रदेश की नई स्पेसटेक पॉलिसी 2026 का गजट नोटीफिकेशन जारी

स्पेसटेक के बाद एआई पॉलिसी का इंतज़ार, मिल सकता है दोहरा फायदा

मनोज सिंह मीक। भोपाल

मध्यप्रदेश की नई स्पेसटेक पॉलिसी 2026 का गजट नोटीफिकेशन जारी हो गया है। यह पॉलिसी ऐसे समय आई है, जब भारत स्पेस और जियोस्पेशल सेक्टर नीति, निवेश और व्यावहारिक उपयोग तीनों स्तरों पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा हैं। जनवरी में भोपाल में इस नीति का औपचारिक शुभारंभ रीजनल एआई समिट के साथ होना बताता है कि राज्य अब स्पेस, डेटा और एआई को साथ जोड़कर देख रहा है।

नीति में एचपीसी और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर के समर्थन का उल्लेख है। आज स्पेस सेक्टर पूरी तरह डेटा-हैवी हो चुका है। इमेज प्रोसेसिंग, सिमुलेशन, ऑर्बिटल एनालिसिस, जियोस्पेशल एआई, डिजास्टर मॉडलिंग, मौसम, कृषि और सुरक्षा सभी को उच्च कम्प्यूट क्षमता चाहिए। ऐसे में मध्यप्रदेश की अपेक्षित एआई पॉलिसी और मौजूदा स्पेसटेक

दिशा एक-दूसरे को मजबूत कर सकती हैं।

नीति में बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए कस्टमाइज्ड इंसेंटिव पैकेज का रास्ता भी रखा गया है। इसका अर्थ है कि यदि कोई बड़ा स्पेस मैन्युफैक्चरिंग, ग्राउंड सिस्टम, डेटा पार्क, टेस्टिंग या एयरोस्पेस इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट आता है, तो राज्य केस-बाय-केस आधार पर आक्रामक समर्थन दे सकता है। इससे बड़े निवेश, बड़े एंकर और ब्रांड वैल्यू का रास्ता खुलेगा।

राज्य के लिए इसका सबसे बड़ा अर्थ रॉकेट या सैटेलाइट तक सीमित नहीं है। असली अवसर डाउन स्ट्रीम उपयोग में है। जियो स्पेशल विश्लेषण, जल-तंत्र मानचित्रण, अर्बन प्लानिंग, डिजास्टर मैनेजमेंट, कृषि, भूमि अभिलेख और पर्यावरण निगरानी। यही वह क्षेत्र है जहाँ राज्य तुरंत बढ़त ले सकता है। केंद्र भी नेशनल जियोस्पेशल मिशन और निजी स्पेस स्टार्टअप्स के लिए आईएन-स्पेस टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड जैसे कदम उठा चुका है। इसलिए मध्यप्रदेश की टाइमिंग रणनीतिक रूप से सही है। भोपाल के संदर्भ में यह नीति और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अभी बड़े तालाब और उसके कैचमेंट की निगरानी, कलियासोत और पूरे जल-तंत्र का मानचित्रण, मेट्रोपॉलिटन रीजन, मास्टर प्लान, अतिक्रमण और अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई जैसे मुद्दे एक साथ सामने हैं। ऐसे में राजधानी को स्पेस-डेटा आधारित निर्णय केंद्र बनाया जा सकता है, जहाँ सैटेलाइट इमेजरी, एआई विश्लेषण और फील्ड प्रशासन एक प्लेटफ़ॉर्म पर साथ काम करें। अन्य राज्य पहले ही तेज़ी से आगे बढ़ चुके हैं। कर्नाटक ने स्पेस पॉलिसी में खुद को राष्ट्रीय स्पेस इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में रखा है। गुजरात ने स्पेसटेक पॉलिसी के जरिए रिसर्च, विकास और कमर्शियलाइजेशन पर जोर दिया है। तेलंगाना ने हैदराबाद को एयरोस्पेस-स्पेस इकोसिस्टम से जोड़ा है, जबकि आंध्र प्रदेश ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य रखा है। अभी मध्यप्रदेश की एआई पॉलिसी औपचारिक रूप से सामने नहीं आई है, लेकिन सरकार ने एआई इकोसिस्टम, एआई लैब्स, स्किलिंग और गवर्नेंस उपयोग की स्पष्ट दिशा दिखाई है।

ब्रज, बरसाने और होली गीतों से सराबोर रहा सीएम हाउस

मुख्यमंत्री ने भी खूब उड़ाया रंग- गुलाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में आए संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। वरिष्ठ और गणमान्य नागरिकों का अभिवादन किया तथा सभी आगंतुकों पर पुष्प वर्षा एवं गुलाल उड़ाकर मेजबान के रूप में स्वागत किया। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को गुलाल लगाया और पारम्परिक वाद्य यंत्रों के साथ उनके सुर में सुर भी मिलाया।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में उड़ते रंग गुलाल और पुष्प वर्षा के बीच, ब्रज-बरसाने के होली गीतों, पारंपरिक संगीत और मयूर नृत्य के साथ उल्लास और उमंग से सराबोर वातावरण में सभी ने शालीनता के साथ पर्व का आनंद लिया। मंच पर प्रस्तुति दे रहे कलाकारों ने रंग बरसे, होली के दिन दिल खिल जाते हैं, होली खेलें रघुवीरा, आज ब्रज में होली रे रसिया जैसे होली गीतों का सस्वर गायन कर सभी के उल्लास को दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री निवास में होली पर्व पर आयोजित मिलन समारोह में सभी को गुजिया, बालूशाही, ठंडाई सहित कई परंपरागत व्यंजन परोसे गए।

पंचायत चुनाव के पहले हर जनपद में तीन करोड़ के काम

जहां 100 लोग रह रहे, वहां मिलेंगी रोड एक विस में बनेंगी छह करोड़ की सड़कें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के पहले राज्य सरकार ने छोटी आबादी वाले मजरे टोलों तक सड़क बनाने का प्लान तैयार किया है। दिसम्बर 2027 में होने वाले पंचायत चुनाव के पहले जून 2027 तक प्लान के आधार पर गांवों में सड़कों का जाल बिछाकर सम्पूर्ण ग्राम विकास की अवधारणा को मूर्त रूप देना का काम होगा।

यह काम ग्राम पंचायतों से कराया जाएगा और हर जनपद में कम से कम तीन करोड़ के काम कराए जाएंगे। चूंकि एक विधानसभा में कम से कम दो जनपद क्षेत्र होते हैं, इसलिए एक विधानसभा में छह करोड़ तक के सिर्फ सड़कों के काम कराए जाएंगे।

मोहन यादव सरकार ने सुगम संपर्कता परियोजना के नाम पर एक्शन प्लान तैयार कर कलेक्टरों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक महात्मा गांधी नरेगा को इसके एग्जीक्यूशन की जिम्मेदारी भी सौंप दी है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि सुगम संपर्कता परियोजना प्रारंभ हो गई है। इस परियोजना से एक गांव से दूसरे गांव को जोडने वाली सड़क बनेगी। हर जनपद में तीन करोड़ तक के काम होंगे। सिपरी सॉफ्टवेयर से कार्यों का चयन होगा व डीपीआर बनेगी। गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए ड्रोन तकनीक से कार्यों की निगरानी कराई जाएगी।

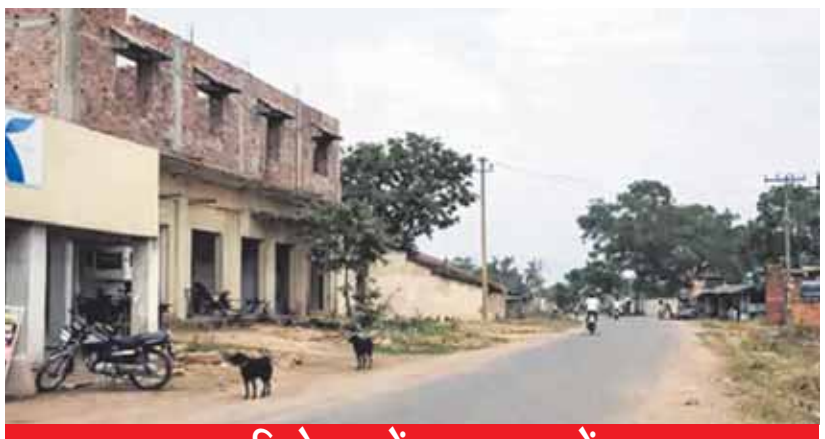

परियोजना में तय खास बातें

100 से अधिक आबादी वाले मजरे-टोले इस परियोजना से जुड़ेंगे। ये ऐसे मजरे टोले होंगे जहां अब तक बारहमासी सड़क संपर्क नहीं है, इन्हें प्राथमिकता के आधार पर सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा।

सड़क निर्माण कार्य में स्थानीय श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

सड़क निर्माण से पहले SIPRI (Software for Identification & Planning of Rural Infrastructure) और RIMS पोर्टल पर परियोजना की एंट्री अनिवार्य की गई है।

डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) भी SIPRI के माध्यम से तैयार होगी।

परियोजना में ड्रेनेज, एंबैंकमेंट और अन्य तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

ऐसे होगी क्वालिटी टेस्टिंग -मॉनिटरिंग

सड़क निर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्री का परीक्षण अधिकृत प्रयोगशालाओं से कराया जाएगा।

कार्यों की मॉनिटरिंग SIPRI पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी।

कम से कम 10त्न कार्यों का निरीक्षण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

ग्रामीण सड़कों के निर्माण और निरीक्षण के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग अनिवार्य किया गया है। ड्रोन से निगरानी तीन चरणों में होगी। पहला फेज ले-आउट के समय, दूसरा निर्माण के दौरान और तीसरा फेज कार्य पूर्ण होने के 15 दिन के भीतर होगा।

ड्रोन से प्राप्त फोटो (JPEG) और वीडियो (MPy) SIPRI पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य रहेगा।

इसके लिए एमपी आरआरडीए के सहयोग से सभी जिलों के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री जनपद पंचायत, एसडीओ आरईएस और उपयंत्रियों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

निर्माण एजेंसी, सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक को ट्रेनिंग देने की जिम्मेदारी सीईओ जिला पंचायत की होगी।

31 मार्च तक जिलों से मांगे प्रस्ताव

परिषद ने अलग-अलग कार्यों के लिए मार्च 2026 तक की समय-सीमा तय की है। 31 मार्च 2026 तक सभी प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए कहा गया है। निर्देशों में कहा गया है कि नई सड़क का चिन्हांकन सब इंजीनियर द्वारा ट्रांजिट वॉक कर किया जाएगा। मोबाइल एप से सर्वे के दौरान यह तय किया जाएगा कि सर्वे पैदल चलकर ही किया गया है। इसके बाद प्रस्ताव सहायक यंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाएगा। इसमें प्रस्तावित सड़क में शासकीय भूमि, निजी भूमि, वन भूमि की जानकारी भी अलग से देना होगी। सभी सड़कों में सुगम जल निकासी के लिए एक बैलेंसिंग कलवर्ट लिया जाएगा। हर एक किमी में चार स्थानों पर ड्रेन पाइप लिए जाएंगे और इस जल निकासी का उपयोग किसानों द्वारा खेती के लिए किया जा सकेगा। इसमें कहा गया है कि मनरेगा के अंतर्गत पुराने कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा आगामी आदेश तक 'सुगम संपर्क परियोजना' के अतिरिक्त अन्य कार्य स्वीकृत नहीं किए जाएंगे।

हजारों करोड़ हुआ बजट फिर भी प्रदेश के स्कूलों की दुर्दशा

जर्जर हालात में 6000 भवन 3500 में शौचालय तक नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्कूली शिक्षा का बजट लगातार बढ़ रहा है, लेकिन जमीनी हालात अब भी चिंता पैदा करने वाले हैं। विधानसभा में सरकार ने जो आंकड़े पेश किए हैं, उनसे साफ है कि हजारों सरकारी स्कूल बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। सरकार की तरफ से विधानसभा में दी जानकारी के अनुसार वर्ष 2010-11 से 2024-25 के बीच शिक्षा बजट में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। राज्य शिक्षा केंद्र का खर्च 364 करोड़ रुपये से बढ़कर 6485 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, स्कूल शिक्षा विभाग का बजट 6203 करोड़ से बढ़कर 32,059 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार के अनुसार बजट बढ़ने की वजह शिक्षकों के वेतन-भत्तों में वृद्धि, छठा और सातवां वेतनमान, महंगाई भत्ता, सांदीपनि विद्यालय योजना, ई-स्कूटी वितरण, विद्यार्थियों को मुफ्त गणवेश, आरटीई प्रतिपूर्ति और स्कूल मरम्मत जैसे खर्च हैं।

भवनों में कक्षाएं लगाना मुश्किल- बढ़े हुए बजट के बावजूद प्रदेश के पहली से आठवीं तक के करीब 6000 हजार स्कूल जर्जर हालत में हैं। कई भवन इतने खराब हैं कि वहां कक्षाएं चलाना मुश्किल हो रहा है। यू-डाइस के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 7,122 शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल संचालित हैं। विभाग ने आधिकारिक रूप से जर्जर भवनों की संख्या शून्य बताई है, लेकिन यह माना है कि कुछ कमरों की हालत खराब है और वहां पढ़ाई नहीं कराई जा रही है।

3500 स्कूलों में शौचालय नहीं- सबसे गंभीर स्थिति शौचालय को लेकर है। पहली से आठवीं तक के लगभग 3500 स्कूलों में अब भी टॉयलेट नहीं हैं। इनमें 1725 बालकों के और 1785 बालिकाओं के स्कूल शामिल हैं। हाई और हायर सेकंडरी स्तर पर भी 75 स्कूलों में लड़कों के लिए और 43 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यह स्थिति खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में ज्यादा चिंताजनक है।

11,889 स्कूलों में 20 से कम छात्र

प्रदेश में एक परिसर-एक शाला÷ योजना के तहत 22,973 परिसर बनाए गए हैं और 49,477 स्कूलों का विलय किया गया है। इसके बावजूद 11,889 स्कूल ऐसे हैं जहां 20 से भी कम विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इन स्कूलों में कुल 1,48,817 विद्यार्थी और 23,877 शिक्षक तैनात हैं। प्राथमिक स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा है। कुछ हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों में तो छात्रों की संख्या 100 से भी कम है। वहीं, ट्राइबल वेलफेयर विभाग के 3,773 स्कूलों में भी 20 से कम नामांकन है।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन को मिलेगा एयरपोर्ट जैसा लुक

आरपीएफ ने 6 बड़े शहरों के अपराधियों का डेटा मंगाया

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

ग्वालियर रेलवे स्टेशन अब देश के कई आधुनिकतम स्टेशनों में शुमार होने जा रहा है। स्टेशन को सिर्फ एयरपोर्ट जैसा लुक ही नहीं दिया जाएगा, बल्कि यहां विश्व स्तरीय सुविधाएं भी यात्रियों को मिल सकेंगी। इसके अलावा स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को भी आधुनिक किया जा रहा है। यही कारण है कि रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अपराधियों से संबंधित ऑनलाइन डेटाबेस बनाना शुरू किया है। इसके लिए भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन के साथ ही दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु जैसे महानगरों से रेलवे में सक्रिय अपराधियों का डेटा मंगाया गया है। इसे आरपीएफ सिक्योरिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आरएसएमएस) में अपलोड किया जाएगा।

स्टेशन पुनर्विकास का कार्य पूरा होने के बाद आरपीएफ द्वारा आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। तो वे डेटाबेस के आधार पर अपराधियों का चेहरा पहचानकर तुरंत अलर्ट देंगे। अभी आरपीएफ सिक्योरिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आरएसएमएस) में इस डेटाबेस को अपलोड करने की प्रक्रिया की जा रही है। इस सिस्टम में प्रतिदिन की शिकायतों और कार्रवाई का विवरण ऑनलाइन संधारित किया जाता। ये सिस्टम एप आधारित है, जिसपर डेटाबेस तैयार किया जा रहा है।

इसके अलावा एआई आधारित कैमरे भी स्टेशन परिसर में लगाए जाएंगे। ये फेस रिकग्निशन तकनीक पर आधारित होंगे, जिनके सर्वर में अपराधियों की जानकारी भी समाहित होगी। यदि स्टेशन पर कोई भी अपराधी इन कैमरों की जद में आता है, तो कंट्रोल रूम में अपने आप ही हूटर बजने लगेगा। ऐसे में फुटेज के आधार पर अपराधियों की लाइव निगरानी भी हो सकेगी। इन कैमरों में ऐसी तकनीक भी उपयोग की जाएगी कि वह संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कपड़ों के आधार

खाड़ी देशों में रह रहे मप्र निवासियों की सहायता के लिए दिल्ली के मध्यप्रदेश भवन में 24×7 कंट्रोल रूम स्थापित

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खाड़ी देशों में निवासरत मध्यप्रदेश के नागरिकों की सहायता के उद्देश्य से मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में 24×7 कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।यह कंट्रोल रूम खाड़ी देशों में अध्ययन, रोजगार, व्यवसाय, पर्यटन अथवा अन्य कारणों से रह रहे प्रदेशवासियों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगा।किसी भी प्रकार की आपात अथवा सामान्य सहायता की आवश्यकता होने पर संबंधित व्यक्ति अथवा उनके परिजन कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं। कंट्रोल रूम के माध्यम से आवश्यकतानुसार भारत सरकार तथा अन्य संबंधित एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

पन्ना में लाल सिर, वन विहार में सफेद पीठ वाला गिद्ध

मप्र में गिद्धों की संख्या 14 हजार पार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में अबकी बार गिद्धों की संख्या 14 हजार के पार पहुंच गई है। वन विभाग के 3 दिन के सर्वे में ये आंकड़े सामने आए हैं। हालांकि, रिपोर्ट फाइनल होने के बाद संख्या बढ़ सकती है। पिछली गणना में 12 हजार 981 गिद्ध मिले थे। पन्ना में लाल सिर और वन विहार नेशनल पार्क में सफेद पीठ वाले गिद्ध पाए गए हैं। पिछले 10 साल में इनकी संख्या दोगुनी हुई है। एमपी पहले से चीता, टाइगर, तेंदुआ स्टेट है। अब यहां गिद्धों की संख्या भी बढ़ गई है। इस बार 20 से 22 फरवरी तक हुए सर्वे में गिद्धों की करीब 7 प्रजाति पाई गई हैं। इनमें भारतीय गिद्ध, सिनेरियस गिद्ध, मिस्र गिद्ध और हिमालयन ग्रिफॉन जैसी प्रजातियां प्रमुख हैं।

23 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रायसेन जिले के हलाली डैम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्धों को प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा था। इन पर उच्च तकनीक वाले जीपीएस ट्रैकर लगाए गए हैं। जिससे वन विभाग इनकी निगरानी भी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश में गिद्धों की गणना की शुरुआत वर्ष 2016 से की गई थी। प्रदेश में गिद्धों की कुल 7 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें से 4 प्रजातियां स्थानीय एवं 3 प्रजाति प्रवासी हैं। गिद्धों की गणना करने के लिए शीत ऋतु का अंतिम समय सही रहता है। इस दौरान स्थानीय एवं प्रवासी गिद्धों की गणना आसानी से हो जाती है। वर्ष 2019 की गणना में गिद्धों की संख्या 8 हजार 397, वर्ष 2021 में 9 हजार 446, वर्ष 2024 में 10 हजार 845 और 2025 में 12 हजार 981 हो गई थी।

दोपहर मेट्रो

श्री चिंतामन गणेश की जत्रा से होगी चैत्र मास की शुरुआत

सुबह से की जाएगी पूजा, किसान चढ़ाएंगे नया अनाज

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

श्री चिंतामन गणेश मंदिर में चैत्र मास की पारंपरिक जत्रा (मेला) 4 मार्च, बुधवार से प्रारंभ हो गई। मालवा की संस्कृति में विशेष स्थान रखने वाली इस जत्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस वर्ष चैत्र मास में पांच बुधवार पड़ रहे हैं, जिससे पांच जत्राओं का संयोग बन रहा है।

पंडित शंकर पुजारी के अनुसार पूजन-अभिषेक और चोला श्रृंगार के बाद सुबह 7 बजे से श्रद्धालुओं के लिए दर्शन प्रारंभ हो गए। पहली जत्रा 4 मार्च को, दूसरी 11 मार्च को, तीसरी 18 मार्च को, चौथी 25 मार्च को तथा राजसी जत्रा 1 अप्रैल को आयोजित होगी। चैत्र मास भगवान गणेश की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मालवा की कृषि परंपरा के अनुसार इस समय गेहूं की फसल पककर तैयार हो जाती है। किसान श्रद्धा भाव से अपनी नई फसल का प्रथम अंश भगवान चिंतामन गणेश को अर्पित करने मंदिर पहुंचते हैं। इसी कारण प्रत्येक बुधवार यहां मेले जैसा वातावरण रहता है, जिसे स्थानीय बोली में 'जत्रा' कहा जाता है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के विशेष इंतजाम

बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। मंदिर प्रशासक अभिषेक शर्मा ने बताया कि खुले स्थानों पर शामियाने लगाए जा रहे हैं, ताकि कतार में खड़े श्रद्धालुओं को धूप से राहत मिल सके। गर्म फर्श से बचाव के लिए कारपेट बिछाए जा रहे हैं। इसके अलावा शीतल पेयजल, पंखे और कूलर की व्यवस्था की गई है। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वाहन पार्किंग और जूता-स्टैंड के लिए विशेष काउंटर भी बनाए गए हैं।

रूस पर ही भरोसा करने में भलाई

ऐसे समय में, जबकि ईरान पर इजराइल-अमेरिका के भीषण हमलों और ईरान के जवाबी हमलों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग नौ प्रतिशत चढ़ गई हैं, भारत में कीमतों का स्थिर रहना बहुत बड़ी राहत के समान है। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में देश में निकट भविष्य में भी बढ़ोत्तरी नहीं होने की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि हमारे यहां कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। विगत जनवरी माह में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा में बताया था कि देश के पास आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में गुफाओं, रिफाइनरियों और भंडारण सुविधाओं में रखा इतना कच्चा तेल है कि वह घरेलू मांग को 74 दिनों तक पूरा कर सकता है। इसके अलावा चूंकि पिछले वर्षों में तेल कंपनियों को कम दाम पर रूसी तेल मिलने के दौरान अतिरिक्त लाभ कमाने का मौका मिला है (क्योंकि उस दौरान तेल कंपनियों ने सस्ती दरों पर तेल मिलने का फायदा उपभोक्ताओं को नहीं दिया), इसलिए अब अगर कीमतें बढ़ रही हैं तो उसका भार भी उन कंपनियों को ही वहन करना चाहिए। हालांकि युद्ध अगर लंबा खिंचा तो देर-सबेर उपभोक्ताओं पर भी कुछ न कुछ भार पड़ेगा ही, लेकिन अभी तो उम्मीद यही जताई जा रही है कि रूस के लिए सिरदर्द बन चुके यूक्रेन युद्ध की तरह अमेरिका के लिए ईरान नासूर साबित नहीं होगा और कुछ ही दिनों में यह युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन इस तेल संकट का एक बड़ा सबक यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सनक के आगे झुककर हमें अपने पुराने मित्र रूस का साथ हर्गिज नहीं छोड़ना चाहिए। पिछले दिनों हुई ट्रेड डील के बाद ट्रम्प डींग हांक रहे हैं कि भारत अब रूस से तेल आयात नहीं करेगा, वरना वे यह डील रद्द कर देंगे। लेकिन जिस तरह से ट्रम्प दुनिया को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं, उसका खामियाजा भारत क्यों भुगते? हम अपनी ऊर्जा जरूरतें कहां से पूरी करें, इसमें जबरन दखलंदाजी करने वाले ट्रम्प होते कौन हैं? राहत की बात है कि अमेरिकी धौंस के बावजूद, वर्तमान संकट के समय भी रूस ने कहा है कि ऊर्जा आपूर्ति में लगातार बाधा आने पर वह भारत की ऊर्जा जरूरतों की मांग पूरी करेगा। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिका-इजराइल और ईरान की जंग में स्थित अगर ज्यादा बिगड़ी, तब भी ऊर्जा संकट के समय में रूस हमारा साथ देगा, जिससे परिस्थिति बेकाबू नहीं होने पाएगी।

वर्तमान वैश्विक राजनीति में नैतिकता, हस्तक्षेप और उत्तरदायित्व का बड़ा सवाल

डॉ प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

बीसवीं सदी का मध्य मानव इतिहास का एक निर्णायक मोड़ था। जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अगस्त 1945 में जापान के नगर हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए, तब केवल दो नगर नष्ट नहीं हुए, बल्कि पूरी मानव सभ्यता ने अपनी ही निर्मित विनाशकारी शक्ति का भयावह स्वरूप देखा। लाखों लोग तत्काल मारे गए और असंख्य लोग विकिरण के दीर्घकालिक प्रभाव से वर्षों तक पीड़ित रहे। इस घटना ने द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभाई, किंतु साथ ही यह प्रश्न भी छोड़ गई कि क्या किसी भी परिस्थिति में इतना व्यापक संहार उचित ठहराया जा सकता है।

इसके बाद विश्व राजनीति ने एक नया रूप धारण किया। एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका था और दूसरी ओर सोवियत संघ। वैचारिक संघर्ष ने संसार को दो गुटों में विभाजित कर दिया। इसी पृष्ठभूमि में 1950 से 1953 तक चला कोरियाई युद्ध केवल कोरिया की भूमि का संघर्ष नहीं था, बल्कि दो विचारधाराओं की टकराहट था। इस युद्ध ने कोरियाई प्रायद्वीप को स्थायी रूप से दो भागों में बाँट दिया और असंख्य परिवारों को पीड़ा दी। इसके कुछ वर्षों बाद 1955 से 1975 तक चला वियतनाम युद्ध विश्व इतिहास के अत्यंत विवादास्पद संघर्षों में गिना जाता है। व्यापक बमवर्षा, रासायनिक पदार्थों का प्रयोग और ग्रामीण अंचलों का विध्वंस इस युद्ध की पहचान बन गए। इस संघर्ष ने न केवल वियतनाम को गहरी क्षति पहुँचाई, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर भी व्यापक जनविरोध और नैतिक मंथन को जन्म दिया।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में 2003 में आरंभ हुआ इराक युद्ध इस तर्क के साथ प्रारंभ किया गया कि वहाँ व्यापक विनाश के हथियार मौजूद हैं और विश्व सुरक्षा को गंभीर खतरा है। किंतु समय के साथ ऐसे हथियारों के स्पष्ट प्रमाण सामने नहीं आए। परिणामस्वरूप इराक की राजनीतिक संरचना अस्थिर हो गई, सांप्रदायिक हिंसा में वृद्धि हुई और पूरे क्षेत्र में असुरक्षा का वातावरण फैल गया। 2001 से 2021 तक चला अफगानिस्तान का युद्ध आतंकवाद के विरुद्ध अभियान के रूप में प्रारंभ हुआ। उद्देश्य था उन शक्तियों को समाप्त करना जिन्हें वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माना गया। परंतु दो दशकों के लंबे संघर्ष, भारी आर्थिक व्यय और असंख्य जनहानि के उपरांत भी स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकी। अंततः विदेशी सेनाओं की वापसी के बाद वही संगठन पुनः सत्ता में आ गया जिसे हटाने के लिए यह अभियान आरंभ किया गया था।

मध्य और पश्चिम एशिया में उभरे उग्रवादी संगठन केवल किसी एक राष्ट्र की नीतियों का परिणाम नहीं थे। उनके उदय के पीछे क्षेत्रीय अस्थिरता, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक विषमता, बाहरी हस्तक्षेप और सत्ता का रिक्त स्थान जैसे अनेक कारण रहे। फिर भी यह धारणा व्यापक है कि महाशक्तियों की नीतियों और युद्धों ने ऐसी परिस्थितियाँ निर्मित कीं जिनमें उग्रवाद को पनपने का अवसर मिला। लैटिन अमेरिका के अनेक देशों में भी बीसवीं सदी के दौरान राजनीतिक उथल-पुथल देखी गई। विभिन्न समयों पर बाहरी प्रभावों और गुप्त हस्तक्षेपों के आरोप लगे। कुछ स्थानों पर सैन्य शासन स्थापित हुए, तो कहीं लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ कमजोर पड़ीं। इन घटनाओं ने यह धारणा सुदृढ़ की कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आदर्शों की अपेक्षा सामरिक और आर्थिक हितों को अधिक प्राथमिकता दी जाती है।

तेल, प्राकृतिक संसाधन, व्यापार मार्ग और सामरिक ठिकाने आधुनिक विश्व व्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। आलोचकों का मत है कि कई बार जनतंत्र, मानवाधिकार और शांति की भाषा इन हितों को वैध ठहराने का माध्यम बन जाती है। समर्थकों का तर्क है

कि वैश्विक सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और सहयोगी राष्ट्रों की रक्षा भी समान रूप से आवश्यक चिंताएँ हैं।

सत्य संभवतः इन दोनों दृष्टिकोणों के मध्य स्थित है। किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति पूर्णतः नैतिक या पूर्णतः स्वार्थप्रधान नहीं होती; वह परिस्थितियों, आशंकाओं, अवसरों और रणनीतिक विचारों का सम्मिलित परिणाम होती है। फिर भी यह प्रश्न बार-बार उभरता है कि क्या राष्ट्रीय हित की रक्षा के नाम पर व्यापक जनसंहार और दीर्घकालिक अस्थिरता को स्वीकार किया जा सकता है।

जनतंत्र और मानवाधिकार केवल औपचारिक शब्द नहीं होने चाहिए, बल्कि वे ऐसे सार्वभौमिक मूल्य बनें जिनका पालन मित्र और विरोधी—दोनों के प्रति समान रूप से किया जाए। यदि शक्ति का प्रयोग चयनात्मक नैतिकता के आधार पर किया जाएगा, तो विश्व समुदाय में अविश्वास, असंतोष और वैमनस्य की भावना प्रबल होगी। इतिहास यह शिक्षा देता है कि सैन्य विजय स्थायी समाधान प्रदान नहीं करती। स्थायी शांति संवाद, सहयोग, आर्थिक न्याय और सांस्कृतिक सम्मान से ही संभव होती है। किसी भी महाशक्ति की वास्तविक परीक्षा रणभूमि में नहीं, बल्कि इस तथ्य में निहित है कि वह अपनी शक्ति का उपयोग कितनी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ करती है।

आज का विश्व अब भी संघर्षों, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा से घिरा हुआ है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अतीत की त्रासदियों से सीख लेकर भविष्य की नीतियों का निर्माण किया जाए। यदि मानव जीवन को सर्वोच्च मूल्य माना जाए और शक्ति को उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तभी एक अधिक न्यायपूर्ण, संतुलित और शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था की कल्पना साकार हो सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

दैनिक जीवन में जागरूकता के साथ सुरक्षित जीवन, सुरक्षित राष्ट्र का सामूहिक संकल्प

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि जागरूकता जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। इसी दिन वर्ष 1966 में नेशनल सेफ्टी काउंसिल की स्थापना की गई थी। वर्ष 1972 से इस दिवस को संगठित रूप में मनाया जाने लगा और तब से यह 4 मार्च से 10 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के रूप में निरंतर आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य कार्यस्थलों सड़कों घरों और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का इतिहास उस दौर से जुड़ा है जब देश में औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा था और इसके साथ दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही थी। श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की गई और एक ऐसी संस्था की आवश्यकता महसूस हुई जो सुरक्षा प्रशिक्षण जागरूकता और मार्गदर्शन का कार्य कर सके। इसी सोच के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना की गई। परिषद ने यह संकल्प लिया कि उद्योगों के साथ साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जाएगा। कुछ वर्षों बाद इस स्थापना दिवस को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया ताकि सुरक्षा का संदेश व्यापक स्तर पर फैल सके।

इस दिवस का मूल उद्देश्य लोगों में सुरक्षा के प्रति सजगता उत्पन्न करना है। कार्यस्थल पर छोटी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। यदि श्रमिक उचित सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग न करें या प्रबंधन आवश्यक सावधानियां न बरते तो परिणाम दुखद हो सकते हैं। इसलिए यह दिवस नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को उनकी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं बल्कि एक सकारात्मक कार्य संस्कृति का निर्माण है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हो। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न उद्योगों विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सुरक्षा शपथ दिलाई जाती है प्रशिक्षण सत्र आयोजित होते हैं और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं बल्कि व्यवहार में परिवर्तन लाना है। जब व्यक्ति स्वयं यह समझने लगता है कि उसकी सावधानी किसी का जीवन बचा सकती है तब सुरक्षा संस्कृति मजबूत होती है। प्रत्येक वर्ष इस दिवस के लिए एक विषय निर्धारित किया जाता है। वर्ष 2025 का विषय विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण था। यह विषय स्पष्ट करता है कि राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब उसके नागरिक सुरक्षित हों। आर्थिक प्रगति औद्योगिक विस्तार और सामाजिक उन्नति का कोई अर्थ नहीं यदि मानव जीवन असुरक्षित हो। इसलिए सुरक्षा को विकास की आधारशिला माना जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम सच में सावधान हैं। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना सीट बेल्ट लगाना गति सीमा का ध्यान रखना और नशे की अवस्था में वाहन न चलाना जैसे सरल उपाय अनेक जीवन बचा सकते हैं। जब हम स्वयं नियमों का पालन करते हैं और दूसरों को भी प्रेरित करते हैं तभी सच्चे अर्थों में सुरक्षा के प्रति समर्पण दिखाई देता है।

स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिकीजा हैल्थकेयर लिमिटेड ने विभिन्न राज्यों में एक सौ आठ एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से लाखों लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है। राजस्थान सहित पंजाब मध्य प्रदेश ओडिशा झारखंड और सिक्किम में इन सेवाओं ने अनगिनत जीवन बचाए हैं। कठिन परिस्थितियों और महामारी के समय भी इन सेवाओं ने निरंतर कार्य कर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध की है। यह उदाहरण बताता है कि सुरक्षा केवल जागरूकता तक सीमित नहीं बल्कि सेवा और समर्पण से जुड़ी हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के प्रति हमारा समर्पण कैसा होना चाहिए ,यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। समर्पण का अर्थ केवल एक दिन कार्यक्रम में भाग लेना नहीं बल्कि वर्ष भर सावधानी और जिम्मेदारी निभाना है। हमें अपने घर से ही सुरक्षा की शुरुआत करनी चाहिए। रसोई गैस की नियमित जांच करना विद्युत उपकरणों का सही उपयोग करना बच्चों को आग और सड़क से संबंधित सावधानियां सिखाना और पर्यावरण की रक्षा करना हमारे दैनिक जीवन के छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना हमारे समर्पण का प्रमाण है।

सुरक्षा के प्रति समर्पण भाव का संबंध मानवीय संवेदनाओं से भी है। जब हम यह समझते हैं कि हमारी लापरवाही से किसी परिवार का भविष्य प्रभावित हो सकता है तब हम अधिक सजग हो जाते हैं। सुरक्षा को आदत बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। यदि प्रत्येक नागरिक स्वयं को जिम्मेदार माने और सतर्क व्यवहार अपनाए तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। विद्यालयों में बच्चों को प्रारंभ से ही सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। नई पीढ़ी यदि सुरक्षा संस्कृति को अपनाएगी तो भविष्य अधिक सुरक्षित होगा। उद्योगों में नियमित प्रशिक्षण और सुरक्षा अभ्यास कर्मचारियों को सक्षम बनाते हैं। समाज में जागरूकता अभियान लोगों को यह संदेश देते हैं कि सुरक्षा बोझ नहीं बल्कि जीवन रक्षा का माध्यम है।राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एक गैर लाभकारी संस्था के रूप में आधी सदी से अधिक समय से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य सुरक्षा प्रशिक्षण को सभी के लिए सुलभ बनाना और समाज में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करना है। इस संस्था द्वारा प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस आज एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। यह हमें वर्ष में एक बार रुककर यह सोचने का अवसर देता है कि हमने सुरक्षा के क्षेत्र में क्या प्रगति की और आगे क्या करना शेष है।

अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि सुरक्षित जीवन ही सशक्त राष्ट्र की पहचान है। विकास और सुरक्षा साथ साथ चलें तभी राष्ट्र समृद्ध और स्थिर बन सकता है। हमें इस दिवस को औपचारिकता न मानकर जीवन का संकल्प बनाना चाहिए। जब प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षा के प्रति समर्पित होगा तभी एक ऐसा भारत निर्मित होगा जहां प्रत्येक नागरिक निडर होकर जीवन जी सके। यही राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का वास्तविक उद्देश्य है और यही हमारे सच्चे समर्पण की अभिव्यक्ति भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

यूजर्स गाइड

नया AC लेने के पहले जानना जरूरी है इन्वर्टर और नॉन इन्वर्टर का फर्क और फायदे

आज अगर आप मार्केट मेंष्ट खरीदने जाएं, तो दो तरह के मॉडल प्रमुखता से मिलेंगे। इनवर्टर मॉडल और दूसरा नॉन-इनवर्टर मॉडल। हालांकि कम ही लोग जानते हैं कि दोनों में फर्क क्या है और उनके लिए कौन सा सही है। ऐसे में इनकी खूबियों और कमियों को जानना जरूरी है, ताकि आप अपने लिए सही चुन सकें। दरअसल इनवर्टर मॉडल एक ऐसी तकनीक पर काम करने वाला एयर कंडीशनर होता है, जो कमरे के टेम्परेचर के अनुसार तापमान को बढ़ा-घटा सकता है। इतना ही नहीं, इनवर्टर मॉडल वालेष्ट के कंप्रेसर की क्षमता को भी घटाया-बढ़ाया जा सकता है। वहीं नॉन-इवर्टर ऐसी पुरानी तकनीक पर काम करते हैं। इनके कंप्रेसर या तो ऑन रहते हैं या फिर पूरी तरह से बंद हो जाते हैं। इनके कंप्रेसर की क्षमता को बढ़ाया-घटाया नहीं जा सकता। हालांकि दोनों की ही अपनी खूबियां और खामियां हैं और दोनों अलग-अलग तरह के यूजर्स की जरूरतों को पूरा करते हैं।

इनवर्टर और नॉन-इनवर्टर AC में फर्क: इनवर्टर ऐसी नई तकनीक पर आधारित हैं। इनके साथ यूजर को ऐसी के कंप्रेसर को कंट्रोल करने के ऑप्शन मिलते हैं। आप एक इनवर्टर AC के कंप्रेसर को उसकी 100% क्षमता के अलावा 40, 60 और 80% पर भी चला सकते हैं। इसके अलावा ये हल्के और छोटे होते हैं। नॉन-इनवर्टरष्ट पुरानी तकनीक पर काम करते हैं। इनके कंप्रेसर की क्षमता को घटाया-बढ़ाया नहीं जा सकता। इसके अलावा यह बड़े और भारी भरकम भी होते हैं। इन्हें जिस तापमान पर सेट किया जाए, कमरे को उस तापमान पर लाने तक लगातार पूरी क्षमता से काम करते हैं। जैसे ही कमरे का तापमान सेट किए टेम्परेचर पर पहुंचता है, यह पूरी तरह से बंद हो जाते हैं।

बचाता है बिजली: अगर आप एक ऐसा AC चाहते हैं, जो कम बिजली खाए, तो आपके लिए इनवर्टर AC खरीदना फायदेमंद रहेगा। दरअसल छोटे कंप्रेसर और नई टेक्नोलॉजी के चलते इनवर्टर AC कम बिजली खाते हैं। इनके कंप्रेसर की क्षमता को कम पर सेट कर दिया जाए, तो भी यह कम बिजली का इस्तेमाल करते हैं। वहीं इसके उलट नॉन-इनवर्टर AC ज्यादा बिजली खाते हैं क्योंकि यह हमेशा अपनी पूरी पावर से चलते हैं। वैसे तो दोनों ही तरह के AC कूलिंग देने के मामले में किसी से कमतर नहीं होते। हालांकि अगर आपको बड़ी जगह को जल्द ठंडा करना हो, तो नॉन-इनवर्टर AC बेहतर काम कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इन्हें जिस तापमान पर सेट किया जाए, यह कमरे को टेंपरेचर को उस तापमान तक पहुंचाने के लिए पूरी क्षमता से लगातार चलते हैं। इससे कमरा तेजी से ठंडा होता है। अगर आप घर के लिएष्ट लाने का सोच रहे हैं, तो जानना जरूरी हो जाता है कि किस AC की लाइफ ज्यादा होती है। आमतौर पर दोनों ही तरह के AC अच्छी लाइफ के साथ आते हैं और किसी तरह की समस्या होने पर वारंटी में ठीक भी कराए जा सकते हैं। हालांकि इनवर्टर AC यहां कुछ मात खा जाते हैं, क्योंकि उनमें कंप्रेसर को कंट्रोल करने के लिए लगी पीसीबी में कई बार खराबी आ जाती है। गौर करने वाली बात है कि इस पीसीबी को रिपेयर कराने में मोटा खर्च आता है।

निशाना

बोलना सच गुनाह होने लगा..!

कान्ति शुक्ला

आपका ऐतबार कौन करे ।
जान अपनी निसार कौन करे ।
बोलना सच गुनाह होने लगा
झूठ का रोजगार कौन करे ।
हो अगर मैल दिल के दरपन पर
ये दिखावे का प्यार कौन करे।
रेत पत्थर हुआ बिचारा दिल
ग़म के दरिया को पार कौन करे।
चाँदनी ने भिगोई शब तो थी
जिक्र में पर शुमार कौन करे।
राज दिल में निहां रहा अपना
आपको बेक़रार कौन करे ।
चंद लम्हे ही जानलेवा हैं
देर तक इंतजार कौन करे ।
छोड़ तो दें लिबास ये तन का
प्राण को तार-तार कौन करे ।

टेक्नो अपडेट

वाई-फाई राउटर की दो सेटिंग बदलकर देखें घर के हर कोने में पहुंचेगा हाई स्पीड इंटरनेट

वाई-फाई राउटर की तीन सेटिंग बदलने मात्र से आपको हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मिल सकती है। इंटरनेट स्लो हो जाने पर आपको नया राउटर खरीदने की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ इसकी सेटिंग बदल सकते हैं। सेटिंग बदलने के बाद इंटरनेट की स्पीड बढ़ जाएगी और आपके घर के कोने-कोने में इंटरनेट हाई स्पीड पर चलेगा।

स्लो वाई-फाई का मतलब ये नहीं है कि आपके घर में लगा राउटर खराब हो गया है और उसे बदलने की जरूरत है। जिस तरह स्मार्टफोन या फिर लैपटॉप की परफॉर्मेंस कम हो जाने पर उसकी सेटिंग में कुछ-कुछ बदलाव करके हाई स्तेपीड इंटरनेट पा सकते हैं। इंटरनेट की स्पीड कम हो जाए तो उसे ठीक करने के लिए फाई-फाई राउटर की सिर्फ 2 सेटिंग को बदलना चाहिए। आपको वारलेस चैनल की जांच करनी होगी, त्त्ख्इुद्यद्बह्ल4 श्वद्ब स्द्गह्1द्बष्द्ग (त्तश्वस्) सेंटिंग्स में बदलाव करना होगा। राउटर के फर्मवेयर को अपग्रेड आदि करने से इंटरनेट की स्पीड तेज हो सकती है।

सेटिंग पेज पर वायरलेस चैनल देखें: आजकल के नए राउटर कई वायरलेस चैनल पर काम करते हैं। कई डिवाइस ऑटोमैटिक सिलेक्शन पर सेट रहते हैं। घनी आबादी वाले इलाकों में आस-पास के नेटवर्क अक्सर एक ही चैनल पर होते हैं। इससे कम स्पीड आने लगती है। आपको अपने राउटर के सेटिंग पेज पर लॉग इन करना होगा। यहां से पता चल जाएगा कि आपका नेटवर्क अभी किस चैनल पर है। आप कुछ खास टूल का इस्तेमाल करके खाली चैनल ढूंढ सकते हैं और उसे सिलेक्ट कर सकते हैं। Wi-Fi 6E और Wi-Fi 7 नेटवर्क पर 80MHz या 160MHz जैसे चैनल थ्रूपुट बढ़ा सकते हैं। लेकिन ये रेंज कम कर देते हैं और इंटरफेरेंस बढ़ा सकते हैं। 40MHz या 20MHz जैसे ऑप्शन स्पीड तो कम दे सकते हैं, लेकिन मजबूत कनेक्शन के लिए भरोसेमंद होते हैं।

फर्मवेयर को अपडेट करना जरूरी: राउटर के फर्मवेयर को अपग्रेड करना बहुत जरूरी होता है। इसे नजरअंदाज करने से Wi-Fi कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है। राउटर अक्सर बिना बग फिक्स या सिक्योरिटी पैच के पुराने फर्मवेयर चलाते हैं। इससे नेटवर्क में दिक्कत हो सकती है या नेटवर्क पर अटैक का खतरा भी बढ़ सकता है। अपने वाई-फाई राउटर मॉडल के आधार पर अपडेट के लिए लेटेस्ट फर्मवेयर फाइल को मैन्युअल रूप से डाउनलोड करके राउटर के सेटिंग इंटरफेस से इंस्टॉल करना पड़ सकता है।

फेक AI वायरल

भीषण युद्व के बीच आ रहे एआई आधारित झूठे वीडियो, दुनिया को गुमराह करने का खेल

ईरान-अमेरिका-इस्राइल समेत मिडिल ईस्ट के देशों में छिड़ी जंग का वो रूप सामने आया है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बनाई गई फेक फोटोज और वीडियोज शेयर किए जा रहे हैं। इस युद्ध का दायरा इतना फैला हुआ है कि लोग फोटो-वीडियोज पर भरोसा कर रहे हैं, लेकिन कई वीडियोज को देखकर यह पता नहीं चल रहा कि वो असली हैं या AI जेनरेटेड। कुछ वीडियो में दुबई के बुर्ज खलीफा में आग लगी दिखा दी गई, जो पूरी तरह से गलत है। एक्स पर कम्युनिटी पोस्ट भी ऐसे वीडियोज का सच लोगों को बता रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक पोस्ट काफी शेयर हो रही है जिसमें इस्राइली न्यूक्लियर फैसिलिटी के बर्बाद होने की बात कही जा रही है। असल में वह 2017 का यूक्रेन का फुटेज है। एक वीडियो में ईरानी प्लेन के खत्म होने का दावा किया जा रहा है, जो असल में एक वीडियो गेम का फुटेज है। इसी तरह से, तेल अवीव पर एक स्ट्राइक का वीडियो साझा किया जा रहा है जो असल में चीन में केमिकल वेयरहाउस में हुए ब्लास्ट का वीडियो है और साल 2015 का है।

रिपोर्टों के अनुसार, सोशल मीडिया खासकर एक्स (X) पर कई पुराने वीडियोज शेयर करके उन्हें युद्ध से जोड़ा जा रहा है। कुछ वीडियोज वेरिफाइड अकाउंट्स से शेयर किए जा रहे हैं, जिन्होंने लोगों को कन्फ्यूजन में डाला है। अमेरिका में AFP की हेड ऑफ डिजिटल इनवेस्टिगेशंस की हेड मारीशा गोल्डहैमर ने कहा कि सोशल मीडिया में शेयर होने वाले ऐसे वीडियोज जब पॉपुलर हो जाते हैं तो लोगों को लगता है कि उन्हें अटेंशन मिल रही है। उन्हें यह चिंता नहीं रहती कि वह सच बता रहे हैं या नहीं।

कम्युनिटी नोट्स कर रहे मदद: एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कम्युनिटी नोट्स लोगों की मदद कर रहे हैं। ये उन तमाम वीडियोज पर नोट लगाते हैं जो पुराने हैं या गलत जानकारी दे रहे हैं। हालांकि हर बार ऐसा हो जरूरी नहीं। कुछ वीडियोज नजरों से बच जाते हैं और लोगों को भ्रमित करते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि संवेदनशील मामलों में लोगों को थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। उन्हें वीडियोज को वेरिफाई करके शेयर करना चाहिए। जरा भी शक किसी वीडियो पर लगे तो उसे शेयर नहीं करना चाहिए।

AI वीडियो पहचानना कठिन नहीं : ऐसा नहीं है कि एआई वीडियोज को पहचाना नहीं जा सकता। बहुत से वीडियोज तुरंत पहचान में आ जाते हैं। ऐसे ही एक वीडियो में जिसे लेकर दावा है कि ईरान ने दुबई पर अपने फाइटर जेट्स की मदद से हमला किया है, उस वीडियो में एक आदमी का हाथ बहुत बिगड़ा है, उसमें ढेर सारी उंगलियां दिख रही हैं। इस तरह की छोटी-छोटी बातों पर गौर करके लोग खुद भी एआई वीडियो की पहचान कर सकते हैं।

न्यूज विंडो

भार्गव परिवार ने अपने पिताजी की स्मृति में मोक्षधाम समिति को दान किया शव फ्रीजर

सिरोंज। नगर के हीरो मोटरसाइकल ग्रुप के संचालक एवं प्रसिद्ध व्यवसायी योगेश भार्गव परिवार ने अपने पिताजी की स्मृति में नगर की मोक्षधाम सेवा समिति को शव रखने का फ्रीजर भेंट किया। उल्लेखनीय है कि विगत माह पूर्व मदनमोहन पथ पर रहने वाले वरिष्ठ समाजसेवी एवं व्यवसायी राजेंद्र प्रसाद भार्गव का देहावसान हो गया था। उनकी अंत्येष्टि के दौरान मोक्षधाम सेवा समिति के द्वारा लटेरी रोड स्थित मुक्तिधाम परिसर के सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों से प्रेरणा लेते हुए पिताजी की स्मृति में शव रखने का फ्रीजर समिति को दान करने की घोषणा की थी। जिसके फलस्वरूप बुधवार को उनकी छहमासी पर भार्गव परिवार ने मोक्षधाम समिति को बुलाकर समाज के उपयोग आने वाला शव फ्रीजर भेंट किया। इस अवसर पर मौजूद नपाध्यक्ष मनमोहन साहू एवं समिति सदस्यों ने भार्गव परिवार के परिजनों का आभार व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि किसी परिवार में मृत्यु होने पर किसी कारणवश अन्त्येष्टि में विलंब होने से शव फ्रीजर की आवश्यकता लगती है। पूर्व में स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी एक शव फ्रीजर उपलब्ध कराया था। इस अवसर पर समिति के सदस्य सचिन शर्मा ने बताया कि यह फ्रिजर मुक्तिधाम परिसर के कक्ष में रखवाए गए हैं। आवश्यकता लगने पर समिति सदस्यों से संपर्क कर नगरवासी इस सुविधा का निःशुल्क उपयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू,गोपेश भार्गव, देवेश भार्गव,हर्षित भार्गव,मोक्षधाम समिति के सदस्य राहुल गर्ग,शेर सिंह भदौरिया,श्याम कुमार साहू मौजूद रहे।

एक-दूसरे को लगाई गुलाल, उत्साह और उमंग के साथ मना होली का पर्व

गंजबासौदा। रंगों का पर्व होली शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़े ही हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी रंग-गुलाल के साथ होली के रंग में रंगे नजर आए। सुबह से ही मोहल्लों और कॉलोनियों में लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। ढोल-नगाड़ों और होली के गीतों की धुन पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशियां साझा कीं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की टोलियां रंग और गुलाल लेकर सड़कों पर निकलीं और उत्साह के साथ पर्व का आनंद लिया। होली के अवसर पर घरों में पारंपरिक व्यंजन जैसे गुजिया, पापड़ी, नमकीन और मिठाइयां बनाई गईं। लोगों ने अपने रिश्तेदारों और मित्रों को घर बुलाकर मिठाइयों के साथ होली का पर्व मनाया। कई स्थानों पर होली मिलन समारोह भी आयोजित किए गए, जहां लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। वहीं त्यौहार को लेकर बाजारों में भी अच्छी चहल-पहल देखने को मिली। रंग, गुलाल और पिचकारी की दुकानों पर बच्चों और युवाओं की भीड़ लगी रही। वहीं प्रशासन और पुलिस भी शहर में सतर्क नजर आई, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

शुद्ध शाकाहारी बताने वाले होटल का एक कथित वीडियो वायरल

महाकाल मंदिर के पास परोसा गया नॉनवेज, कर्मचारी बोले- मुर्गा और मछली वाले हाथ धो लेना, मचा बवाल

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

शहर में महाकाल मंदिर से महज 100 मीटर दूर स्थित होटल सम्राट विक्रमादित्य द हेरिटेज एक विवाद की वजह से सुर्खियों में आ गया है। खुद को शुद्ध शाकाहारी बताने वाले इस प्रतिष्ठित होटल का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ कर्मचारी रात के समय किचन में ऐसी डिश तैयार करते दिखाई दे रहे हैं, जिसे लेकर नॉनवेज होने का दावा किया जा रहा है। बातचीत के दौरान कर्मचारियों के बीच 'मुर्गा-मछली वाले हाथ धो लेना' जैसी टिप्पणी भी सुनाई दे रही है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है।

वायरल फुटेज में यह भी दावा किया जा रहा है कि किचन में खाना बनाते समय सीसीटीवी कैमरे का एंगल बदला गया। एक कर्मचारी डस्टबीन लेकर कैमरे के सामने आता है और उसके बाद कैमरे की दिशा बदलती नजर आती है। इससे होटल प्रशासन की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। मामले में लाइजनिंग ऑफिसर अजय राणावत की भूमिका भी चर्चा में है। उनकी जिम्मेदारी होटल में ठहरने वाले मेहमानों को मंदिर दर्शन और आरती में शामिल कराना है, लेकिन फुटेज में वे किचन से जुड़े कामों में मौजूद दिखाई दे रहे हैं। इससे उनकी भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। होटल प्रबंधक सतीश पाठक ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि वीडियो में दिख रही डिश पूरी तरह शाकाहारी थी। उनके मुताबिक कर्मचारी सब्जियों की कार्विंग को लेकर आपस में 'मछली' जैसी आकृति की बात कर रहे होंगे। हालांकि 'हाथ धोने' वाली टिप्पणी पर वे स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

पर्यटन विभाग की टीम ने की जांच

विवाद बढ़ने के बाद पर्यटन विभाग की टीम ने उज्जैन पहुंचकर जांच की। होटल प्रबंधन ने दावा किया कि कुछ कर्मचारियों ने गलत जानकारी फैलाकर संस्थान की छवि खराब करने की कोशिश की है। इसी सिलसिले में प्रियंका पटेल, राकेश सेन, हरिशंकर साहू और अर्पित तिवारी के खिलाफ महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

सीएम ने पिछले साल किया था उद्घाटन

यह होटल मध्य प्रदेश पर्यटन निगम (एमपीटी) द्वारा संचालित है और शहर के महंगे होटलों में गिना जाता है। करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से महाराजवाड़ा स्कूल की पुरानी इमारत को हेरिटेज होटल में बदला गया था। इसका उद्घाटन मार्च 2025 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया था। होटल विशेष रूप से महाकाल भक्तों के लिए तैयार किया गया था।

चलती कार में लगी आग, कार सवारों ने कूदकर बचाई जान

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

ग्वालियर-रीवा नेशनल हाइवे-39 पर हालही में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। चंद्रनगर के पास एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार सवारों ने कूदकर अपनी जान तो बचा ली, लेकिन दमकल वाहन के समय पर न पहुंचने के कारण कार और उसमें रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। जानकारी के मुताबिक, पन्ना के धम्म मोहल्ला निवासी राकेश कुमार शर्मा अपनी कार क्रमांक एमपी 40 सीए 1280 से अपने मित्र बबली को खजुराहो रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे। रास्ते में अचानक कार के बोनट से चिंगारियां निकलने लगीं और धुआं उठने लगा। चालक राकेश शर्मा ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोकी और जैसे ही वे नीचे उतरे, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पीड़ित राकेश शर्मा ने बताया, गाड़ी में गंध आने पर मैंने बोनट खोला तो उसमें आग लगी थी। देखते ही देखते पूरी गाड़ी लॉक हो गई और आग की लपटों में घिर गई। यह गनीमत रही कि हम समय रहते बाहर निकल आए। उन्होंने अंदेशा जताया है कि आग शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी होगी।

पीड़ित का आरोप है कि, घटना की सूचना तुरंत दी गई थी, लेकिन करीब डेढ़ घंटे तक फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची। देरी की वजह से कार पूरी तरह जलकर कंकाल बन गई। इस अग्निकांड में कार के साथ-साथ उनके मित्र के करीब डेढ़ लाख रुपए नकद और कीमती कपड़े भी जलकर खाक हो गए। हाइवे पर कार में लगी आग के कारण काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

ससुर ने बहू से की जबरदस्ती, पति बोला- चुप रहो, तुम्हे विदेश ले चलूंगा

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

शहर में ससुर-बहू के रिश्ते को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां एक हत्रुद्ध की 28 साल की पत्नी ने अपने ससुर पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि 24 अक्टूबर 2025 की रात घर में अकेला पाकर ससुर ने बेडरूम में घुसकर मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के मुताबिक जब उसने पति व सास को ससुर की करतूत बताई तो दोनों ने इज्जत का हवाला देकर उसे चुप करा दिया था।28 वर्षीय पीड़िता ने ग्वालियर के महाराजपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया है कि उसकी शादी सितंबर 2023 में महारजपुरा में रहने वाले युवक के साथ हुई थी। पति विदेश में नौकरी करता है और साल में दो बार ही आता है। वो ग्वालियर में सास-ससुर के साथ रहती है। अक्टूबर 2025 में पति घर आया हुआ था, 24 अक्टूबर की रात जब पति घर पर नहीं था तो वो रात में अपने बेडरूम में सो रही थी। तभी 58 वर्षीय ससुर कमरे में घुस आया और रेप किया।

जयेश्वर महादेव मंदिर मेले में परोसी अश्लीलता

मुरैना। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अंबाह द्वारा आयोजित ऐतिहासिक जयेश्वर महादेव मेले में बीती रात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हजारों दर्शकों को आकर्षित किया। मंच पर रशियन डांसर्स की प्रस्तुति और मुंबई से आए डांस ग्रुप रियल रॉकर्स के धमाकेदार प्रदर्शन ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हालांकि विदेशी कलाकारों की प्रस्तुति को लेकर क्षेत्र में आस्था और आधुनिकता के संतुलन पर बहस भी तेज हो गई है।

एक तरफ भाजपा सनातन व संस्कृति की दुहाई देती है, वहीं अंबाह में भाजपा नेता जिला उपाध्यक्ष जिनेश जैन द्वारा खुलेआम सनातन व संस्कृति की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उनकी पत्नी नगर पालिका अध्यक्ष हैं लेकिन मेले की पूरी कमान जिनेश जैन के हाथों में ही है, उनके द्वारा मंच से नंगाा नाच किया जा रहा है, महिलाओं को लेकर अभद्र व अश्लील बातें की जा रही हैं, जिससे लोगों में आक्रोश है। रात जैसे ही तीन विदेशी कलाकार मंच पर पहुंचे, दर्शकों ने तालियों की गडगड़ाहट से उनका स्वागत किया। कलाकारों ने बैली डांस की प्रस्तुति दी, जिससे माहौल उत्साह से भर गया। इसके बाद मुंबई से आए रियल रॉकर्स ग्रुप ने प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर के लोकप्रिय गीतों 'तेरी दीवानी' और 'सजना तेरा सजना दिन रैन करूं' पर एक के बाद एक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। मेले में पारंपरिक होली गायन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मेले का यह आयोजन जहां एक ओर सांस्कृतिक उत्सव के रूप में सराहा जा रहा है, वहीं धार्मिक आस्था और आधुनिक मनोरंजन के संतुलन को लेकर नई चर्चा भी छेड़ गया है। अब नजर आयोजन समिति और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है।

आस्था या आधुनिकता, उठे सवाल

जयेश्वर महादेव जैसे धार्मिक मेले में विदेशी नृत्य प्रस्तुतियों को लेकर क्षेत्र में मतभेद सामने आए हैं। एक वर्ग का कहना है कि यह मेला भगवान शिव की आराधना और परंपराओं का प्रतीक है, ऐसे में इस प्रकार के कार्यक्रम धार्मिक गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। वहीं दूसरे वर्ग का मत है कि सांस्कृतिक विविधता और मनोरंजन से मेले की लोकप्रियता बढ़ती है और अधिक लोग इससे जुड़ते हैं। सोशल मीडिया पर 'ये आस्था है या पाखंड' जैसे सवालों के साथ चर्चा जारी है। कुछ सामाजिक संगठनों ने आयोजकों से भविष्य में धार्मिक संवेदनाओं का ध्यान रखने की मांग की है।

ट्रेन में जज की पत्नी गई थी वॉशरूम, अचानक 'साइलेंट अटैक', से मौत

रतलाम। दोपहर मेट्रो

राजस्थान के जोधपुर से ट्रेन में सवार होकर निंबाहेड़ा जा रही महिला की शौचालय में साइलेंट अटैक के चलते मौत हो गई। राजस्थान के न्यायाधीश की पत्नी जब स्टेशन पर नहीं उतरी तो न्यायाधीश ने संबंधित पुलिस थाने में इसकी सूचना दी। मौके पर पुलिस थाने का अमला पहुंचा और ट्रेन के शौचालय का दरवाजा तोड़कर देखा। इसके बाद महिला को निकालकर अस्पताल ले जाया गया। जिले के जावरा अनुभाग में ट्रेन काचीगुड़ा भगत कोठी एक्सप्रेस में जोधपुर से सवार होकर राजस्थान के निंबाहेड़ा जा रहे अतिरिक्त जिला न्यायाधीश प्रथम श्रेणी राजकुमार चौहान व उनकी पत्नी उषा चौहान निंबाहेड़ा के लिए जा रहे थे। उनकी पत्नी उषा चौहान भीलवाड़ा आने के 15 मिनट पहले ट्रेन के कोच क्रमांक स्2 में 20 नंबर सीट पर बैठी थी। निंबाहेड़ा आने से पहले वह वॉशरूम में कई तभी वहां पर उन्हें साइलेंट हार्ट अटैक आ गया और उनकी वहीं पर मृत्यु हो गई।

युवक की गोली लगने से संदिग्ध मौत, लगाया जाम

मुरैना। दोपहर मेट्रो

सिहौनिया में कमरे में पत्नी सोती रही और युवक की गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस रात को ही मौके पर पहुंची लेकिन कमरे से कोई हथियार नहीं मिला है। सुबह होने पर एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित किए। मृतक के भाई ने गांव के एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है लेकिन हत्या या आत्महत्या पुलिस अभी कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हैं। देर शाम हाईवे पर बड़ेगांव की मोड़ पर आक्रोशित परिजनों ने जाम लगाया।

जानकारी के अनुसार लवकुश (25) पुत्र अशोक माहौर निवासी सिहौनिया सोमवार की रात को पत्नी खुशी के साथ एक ही कमरे में सोया था। सोमवार- मंगलवार की दरम्यानी रात करीब ढाई बजे गोली चली जिसकी आवाज मृतक की पत्नी को नहीं आई बल्कि बगल के कमरे में सो रही उसकी बहन को सुनाई दी तो उसने परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया और पुलिस को सूचना की। पुलिस मौके पर पहुंची तो लवकुश खून से लथपथ हालत में पड़ा था। पुलिस वाहन उसको जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को कमरे में हथियार नहीं मिला है, अब हथियार कहां और किसने गायब किया, इसको लेकर पुलिस हैरान है। मृतक के भाई अनिल माहौर का आरोप है कि गांव के विक्रम परमार ने ही हत्या की है। भाई का कहना हैं कि वह पूर्व में भी दो बार हमारे मकान में घुस चुका है। पूरे घटनाक्रम को लेकर किसी महिला से जुड़ा मामला हो सकता है। क्योंकि विक्रम परमार का मृतक के घर बार-बार घुसना और फिर लवकुश की गोली लगने से मौत होना, कई सवालों को जन्म दे रहा है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। आक्रोशित परिजनों हाईवे जाम कर दिया।

कमरे में हुआ विवाद, टूटी मिलीं चूड़ियां

पुलिस के अनुसार कमरे में चूड़ियां टूटी पड़ी मिली हैं, इससे लगता है कि रात को पति-पत्नी के बीच विवाद भी हुआ है। लेकिन पति- पत्नी एक ही कमरे में सोए और गोली लगने से पति की मौत हो गई पत्नी को गोली की आवाज सुनाई नहीं दी, इससे भी संदेहजनक स्थिति निर्मित हो रही है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है।

जिस पर हत्या का आरोप, वह घर में मिला

पुलिस का कहना हैं कि गांव के जिस विक्रम परमार पर हत्या का आरोप लगाया, वह रात को अपने घर सोता मिला। यह बात सही है कि घटना के कुछ समय तक मृतक के यहां देखा गया है लेकिन अगर वह हत्या करता तो मौके से भागता, घर जाकर थोड़े ही सोता। पुलिस उसके कॉल डिटेल निकाल रही है, जिससे और स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

मेट्रो एंकर

बैतूल में ग्वाल टोली में मनाई जाने वाली होली की परंपरा

मेघनाथ की पूजा के साथ होली की शुरूआत, एक माह तक रंगों की धूम

बैतूल। दोपहर मेट्रो

जिले के आदिवासी अंचलों में गोंड कोयतुर समाज द्वारा मनाई जाने वाली होली अपनी अनूठी परंपराओं और प्रकृति से जुड़ाव के कारण विशेष पहचान रखती है। यहां होली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पूरे एक माह तक चलने वाला सामुदायिक धार्मिक उत्सव है, जिसे खंडराय गढ़ जतरा के नाम से भी जाना जाता है। अलग-अलग गांवों में अलग-अलग दिनों पर मेले लगते हैं, जो अधिकांश बाजार के दिन होते हैं।

ग्राम सरपंच और समिति मेले का दिन तय करती है। होली में दूर-दूर से रिश्तेदार भी शामिल होते हैं। शोधकर्ता राहुल कुमरे बताते हैं कि होली के इस पर्व की शुरुआत खंडराय पेन (मेघनाथ) की विशेष पूजा से होती है। एक सप्ताह पहले से देव स्थान को गेरू से पोतकर और चुने के गोल ठपकों से सजाया जाता है। समाज की सुख-समृद्धि और

रोगों से रक्षा की कामना के साथ विधिविधान से पूजा-अर्चना की जाती है। गोंड समुदाय की होली पूरी तरह प्राकृतिक रंगों पर आधारित होती है। पलाश के फूल, जिन्हें टेंशू का फूल भी कहा जाता है, से रंग तैयार किए जाते हैं। यह परंपरा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है और प्रकृति के साथ गहरे संबंध को दर्शाती है। समाज के चौधरी नंदू यादव ने बताया कि यह परंपरा बुजुर्गों के समय से चली आ रही है और आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है। होली की सुबह महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा एक स्थान पर एकत्रित होते हैं। इसके बाद फाग गीत गाते हुए, ढोलक और मंजीरे की थाप पर टोली के रूप में उन घरों की ओर जाते हैं, जहां हाल के समय में किसी परिवार ने अपने प्रियजन को खोया हो। वहां पहुंचकर परिवारजनों का हालचाल लिया जाता है और परंपरा के अनुसार हल्का रंग-गुलाल लगाकर उन्हें होली की शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर समाज की ओर से फवुआ (मीठी बूंदी) भी बांटी जाती है, जो परंपरा का अहम हिस्सा मानी जाती है। रंग, फाग गीत और फवुआ के वितरण के साथ समाज एकजुटता का संदेश देता है।

नर्मदापुरम में ब्रज की तर्ज पर मनती है होली

नर्मदापुरम में होली का त्योहार जहां आमतौर पर रंग और उमंग के लिए जाना जाता है, वहीं ग्वालटोली में ग्वाल समाज इसे सामाजिक एकता और संवेदना के साथ मनाता है। पिछले करीब 50 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत समाज के लोग होली के दिन एकजुट होकर उन परिवारों के घर पहुंचते हैं, जहां किसी परिवार मे गमी हुई होती है। ब्रज की होली की तर्ज पर होली मनाई जाती है।

राजगढ़ जिले की घटना: जीभ-नाक काटी, खेत में तड़पती मिली महिला, अस्पताल में मौत

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले में होली के दिन एक सनसनीखेज वारदात से सनसनी फैल गई। जिले के भोजपुर थाना इलाके की है जहां बुधवार को एक बुजुर्ग महिला खेत में खून से लथपथ हालत में तड़पती मिली। महिला की नाक और जीभ काटी गई थी। परिजन तुरंत दर्द से तड़प रही महिला को खिलचीपुर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जिस जगह महिला तड़पती मिली थी वहां पर पास ही खटिया भी पड़ी मिली है जिससे महिला के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है।

मृतक बुजुर्ग महिला के बेटे ने मां की हत्या का आरोप लगाया है। बेटे ने बताया कि मां व भाई-भाभी का परिवार खेत में बनी झोपड़ी में रहता है। 2 साल पहले पिता का निधन हो चुका है और भाई-भाभी व मां खेत में बनी झोपड़ी में ही रहते थे। भाभी करीब 10 दिन पहले राजस्थान में मजदूरी करने गई थी रात को भाई पास के खेत पर पानी देने के लिए गया था और मां झोपड़ी में अकेली थी। देर रात भाई लौटकर आया और खेत में बनी झोपड़ी में सो गया।

दुष्कर्म की आशंका, जांच जारी

जब मृतक का बेटा उठा तो मां झोपड़ी में नहीं थी। तब उसे लगा कि मां शायद गांव गई होगी लेकिन कुछ देर तक जब मां वापस नहीं लौटी तो गांव में तलाश की पर मां का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद उसने आसपास के खेतों में तलाश शुरु की, इसी दौरान खेत में गेहूं के बीच मां गंभीर हालत में तड़पती मिली। मां के चेहरे से खून बह रहा था, वो तुरंत मां को खिलचीपुर अस्पताल लेकर पहुंचा जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मौके पर एक खटिया भी मिली है जिससे महिला के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह सामने आएगी।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, 3 गंभीर घायल

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धरमपुरी तहसील के ग्राम धामनोद क्षेत्र में खलघाट-सुंद्रेल मार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन में 9 मजदूर सवार थे, जिसमें से तीन लोगों को गंभीर चोट आई हैं। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। धामनोद थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर करीब 3 बजे एक सड़क हादसा हुआ। बालसमूद से सुंदरेल की ओर केले भरने जा रही मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। यह घटना धामनोद के समीप खलघाट-सुंदरेल मोड़ के पास हुई। हादसे के वक्त वाहन में कुल नौ मजदूर सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन चालक तेज गति से गाड़ी चला रहा था। मोड़ पर संतुलन बिगड़ने के कारण पिकअप पलट गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल धामनोद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इनमें विशाल (18), राहुल (26), लखन (18), अल्फ़ेज (20), लखन (20), किशन (28) और कालूराम (45) शामिल हैं। सभी का प्राथमिक उपचार किया गया। इनमें से तीन मजदूरों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज स्थानीय स्तर पर जारी है। अस्पताल में पदस्थ डॉ. जय पाटीदार ने बताया कि कुल सात घायलों को इलाज के लिए लाया गया था।

वाहनों के कांच फोडे, खाली हाथ लौटी टीम, जयस ने भी दी चेतावनी

कुक्षी में चूना खदान सर्वे को लेकर ग्रामीणों का विरोध, गुस्साए लोगों ने पुलिस पर किया पथराव

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की कुक्षी तहसील में प्रशासनिक टीम पर हमला हो गया हैं, यहां पर चुना खदान को लेकर सर्वे सहित ड्रिलिंग कार्य की शुरुआत करने के लिए कंपनी सहित प्रशासन की एक टीम ग्राम तलवाडी में दोपहर के समय पहुंची थी। सूचना के बाद बडी संख्यान में ग्रामीण एकत्रित हुए व सर्वे का विरोध शुरु कर दिया। ग्रामीणों की भीड आक्रोशित हो गई तथा मशीनों में तोडफोड शुरु कर दी। प्रशासन की टीम ने समझाइश की कोशिश की, किंतु ग्रामीणों का विरोध ने थोडी देर में ही विकराल रुप ले लिया। अचानक बडी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए व वाहनों पर पथराव कर दिया। राजस्वम विभाग की एक गाडी पर पथराव के कारण कांच क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके कारण विभाग का अमला वाहन को छोडकर ही मौके से भाग निकले। ग्रामीणों द्वारा किए गए पथराव के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिसमें पुलिस जवान अपनी जान बचाकर भागते हुए नजर आ रहे है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया है।

दरअसल राजस्थाछन की श्री सीमेंट कंपनी द्वारा लाइम स्टोन खोज कार्य की शुरुआत बुधवार से बाग ब्लॉक के ग्राम टकारी से की गई थी, कंपनी से जुडे लोग ग्रामीण क्षेत्रों की जमीन की सैपलिंग के लिए

पहुंची थी। कंपनी से जुडे लोगों ने गांव की जमीन पर मशीने लगाकर सर्वे शुरु करने की तैयारी की, इसी बीच ग्रामीण मौके पर पहुंचे व सर्वे का विरोध करने लगे। ग्रामीणों का आरोप था कि ग्रामसभा की अनुमति लिए बगैर की कंपनी जबरदस्तीग काम शुरु कर रही हैं, इधर विरोध के बाद कंपनी के लोग वाहनों को मौके पर ही छोडकर गांव से दूर हो गए। विरोध की सूचना पर तहसीलदार सहित कुक्षी पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। विरोध की आशंकाओं के चलते पुलिस व प्रशासन की टीम पहले ही तैयारी करके गई थी। 8 थानों का पुलिसबल पहले ही कुक्षी बुला लिया गया था, ताकि कंपनी को सुरक्षा प्रदान कर ड्रिलिंग कार्य शुरू कराया जा सके। जैसे ही ड्रिलिंग मशीन खेत में खड़ी की गई, बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं पारंपरिक हथियारों और नारों के साथ सड़कों पर उतर आए। आक्रोशित ग्रामीणों ने बीच सड़क पर बैठकर पुलिस के काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि भीड़ ने अधिकारियों की गाड़ियों और मशीनों पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

कानून के दायरे में रहकर लड़ें लड़ाई

मशीनों के कार्य शुरु होने की सूचना पर जयस पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे। जयस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर प्रियंका मिश्रा ने पूर्व में ग्राम मोगरा में ग्रामीणों को भरोसा दिलाया था कि बिना जन-सहमति के कोई कार्य नहीं होगा, फिर भी पुलिस बल के दम पर ड्रिलिंग की कोशिश क्यों की गई। बघेल ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जल-जंगल-जमीन की इस लड़ाई को कानूनी दायरे में रहकर लड़ें।

जमीन कंपनी को देने नहीं तैयार

दरअसल धार जिले के कुक्षी, बाग और आलीराजपुर जिले के जोबट ब्लॉक के कई गांवों में चूना पत्थर की खोज का विरोध पिछले कई महीनों से चल रहा है। पिछले महीने हुए चक्का जाम के बाद प्रशासन ने शांति का आश्वासन दिया था, लेकिन बुधवार को पुन बवाल हो गया। ग्रामीण किसी भी कीमत पर अपनी जमीन कंपनी को देने के लिए तैयार नहीं हैं। ग्रामीणों के आक्रोश के आगे प्रशासन को झुकना पड़ा और बिना कार्य किए ही वापस लौटना पड़ा। इस दौरान हुई पत्थरबाजी में पुलिस और प्रशासन के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घंटों चली गहमागहमी के बाद पूरी टीम को ग्राम खेड़ली से खाली हाथ लौटना पड़ा। एसडीएम प्रमोद गुर्जर ने बताया कि कुक्षी डिवीजन के ग्राम खेडली में कंपनी द्वारा सैंपलिंग कार्य किया जा रहा था, नियम अनुसार सैपलिंग हो रही थी। आसपास गांवों के ग्रामीण एकत्रित हुए थे, प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची व ग्रामीणों को समझाईश दी गई। ग्रामीणों को लिखित में आपत्ति देने के लिए कहा गया हैं, जिस स्थान से निराकरण संभव होगा, वहां से निराकरण करया जाएगा। शांति व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खाई में उतरी, क्षतिग्रस्त

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा एसडीएम ने रुककर ली जानकारी थाना प्रभारी को दी सूचना

गत दिवस दोपहर 12 बजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत दमोह तेन्दूखेड़ा मार्ग पर बम्हौरी डिपो के समीप एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क छोड़ खाई में जा पहुंची इस हादसे सभी सुरक्षित हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार जबलपुर निवासी अनिल जैन अपने साथियों के साथ दमोह से जबलपुर जा रहे थे, लेकिन जैसे ही वह पिंडरई बम्हौरी के बीच पहुंचे तो अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क छोड़ खाई में जा पहुंची और पत्थरों से जा टकराई।

अनिल जैन ने बताया कि मैं दमोह से एक कार्यक्रम में वापस अपने घर जबलपुर जा रहा था लेकिन अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क से उतरकर खाई में जा पहुंची और भारी-भरकम पत्थर से टकरा गई कार के एयरबैग खुलने से सभी सुरक्षित हैं मामूली चोंट बस आई है और सभी सुरक्षित हैं। वहीं हादसे के दौरान दमोह की तरफ से तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व आ रहे थे जिन्होंने रुककर कार सवारों की मदद की और घटना की जानकारी ली साथ ही एसडीएम द्वारा घटना की सूचना थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी की दी गई। जहां सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली वहीं कार के पीछे चल रहे एक ट्रैक्टर के चालक ने बताया घटना मेरे सामने हुई है। अगर कार सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराती तो सभी लोग इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो जाते या फिर बड़ी घटना घटित हो सकती थी लेकिन कार चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से बच गया पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, टॉयलेट नहीं

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की कुक्षी तहसील के सांदीपनी स्कूल में माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को पेयजल और शौचालय की असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर जयस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल ने बुधवार को नाराजगी व्यक्त की और स्कूल में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। रविराज बघेल ने बताया कि बुधवार को 240 छात्र-छात्राएं परीक्षा देने आए थे। छात्र नेताओं के निरीक्षण में पाया गया कि परीक्षार्थियों के लिए शीतल पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी।

साथ ही, सांदीपनी स्कूल में पुराने शौचालयों का ही उपयोग किया जा रहा है, जो छात्र-छात्राओं की संख्या के अनुपात में अपर्याप्त हैं। स्कूल की नई बिल्डिंग बनकर तैयार है, लेकिन उसे अभी तक सुपुर्दगी में नहीं लिया गया है। बघेल ने केंद्राध्यक्ष कविता गोस्वामी से छात्राओं को सुविधा उपलब्ध करवाने की बात कही। इस पर केंद्राध्यक्ष ने बताया कि बीईओ या प्रिंसिपल ही इस संबंध में कुछ कर सकते हैं। रविराज बघेल ने मांग की कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सांदीपनी स्कूल के नवीन भवन के शौचालयों को खोला जाना चाहिए और ठंडा पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के जिम्मेदार बीईओ पर परीक्षार्थियों की सुविधा के प्रति गंभीर न होने का आरोप लगाया। बघेल ने चेतावनी दी कि यदि परीक्षार्थियों को आवश्यक सुविधाएं नहीं मिलीं, तो स्कूल का घेराव किया जाएगा। इस मामले में सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य हरिनारायण नारोलिया ने कहा कि उनकी ड्यूटी गंधवानी में लगी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए गुरुवार को ठेकेदार से बात करके नए भवन में बने शौचालयों को खुलवा दिया जाएगा।

सिहोरा-माचागोरा रोड पर भीषण हादसा

दो बाइकों की आपस में जोरदार भिड़ंत में चार लोगों की हुई मौत

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के कुछ परिवारों के नजदीक इस साल की होली की धूम मातम में बदल गई। रोज चौरई के ग्राम सिहोरा माचागोरा रोड पर धनोरा गोसाई पुलिया के पास भयानक सड़क हादसा हो गया। इसमें अलग अलग परिवार के चार लोगों ने अपनी जान गंवा दी एवं एक का उपचार जारी है। दो बाइक की आपस में भिड़त हुई। दोनों बाइक बहुत तेज गति में आ रही थी। हादसे के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी मोहन सिंह मर्सकोले ने बताया कि एक बाइक में तीन व एक में दो लोग सवार थे जिसमें से चार लोगों की मौत हो गई, एवंप्रभारी मोहन सिंह मर्सकोले ने बताया कि एक बाइक में तीन व एक में दो लोग सवार थे जिसमें से चार लोगों की मौत हो गई, एवं एक घायल है पांचों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। वहीं, मृतकों में राहुल पाल, विनोद उर्फ चंगु यादव,राहुल कहार एवं अन्य लोगों के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है। एक घायल है पांचों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। वहीं, मृतकों में राहुल पाल, विनोद उर्फ चंगु यादव,राहुल कहार एवं अन्य लोगों के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है।

मेट्रो एंकर | पीएमश्री बम्हौरी पाँजी विद्यालय में कानून जागरूकता एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम संपन्न

मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों की बच्चों को दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार शासकीय पीएम श्री एकीकृत माध्यमिक शाला बम्हौरी पांजी में विधिक साक्षरता शिविर एवं एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, पूजित कमल के द्वारा छात्र-छात्राओं को कानून एवं संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में पूजित कमल ने बच्चों को सरल एवं रोचक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कानून क्या है और समाज में इसकी आवश्यकता क्यों होती है। उन्होंने वन विभाग के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा हेतु विभिन्न कानूनी प्रावधान बनाए गए हैं, जिनका पालन करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। साथ ही उन्होंने वाहन चलाने के लिए लाइसेंस की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नियम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया है। कार्यक्रम में संविधान, मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करता है, परंतु इसके साथ-साथ कुछ कर्तव्य भी निर्धारित करता है। पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा, देश की एकता और अखंडता बनाए रखना तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना हम सभी का नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने मनुष्य और पशु जीवन के उदाहरण द्वारा समझाया कि समाज में नियमों का होना आवश्यक है, क्योंकि कानून के बिना व्यवस्था संभव नहीं है। न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा भविष्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। यदि कोई विद्यार्थी डॉक्टर, पुलिस अधिकारी, आर्मी जवान या शिक्षक बनना चाहता है, तो उसे उसी अनुसार अभी से तैयारी प्रारंभ करनी चाहिए। आप जो आज सीखेंगे, वही भविष्य में आपके काम आएगा। लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासनपूर्वक अध्ययन करने से ही मुकाम हासिल किया जा सकता है। आगामी 20 फरवरी से प्रारंभ होने वाली कक्षा पाँचवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को भयमुक्त वातावरण में परीक्षा देने की सलाह दी। प्रबंधन ने अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान आशुतोष पाठक सहायक श्रेणी 3 एवं तिलक लोधी प्रधान आरक्षक, विद्यालय की ओर से प्रधानाध्यापक सीमा दुबे ,शिक्षक रवि लोधी, रितु श्रीवास, ज्ञानेंद्र लोधी ,करुणा पाल उपस्थिति रही।

आज का हीरो कौन.... भारत की चिंता- गेंदबाजी कांबिनेशन

टी20 विश्वकप 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड के बीच भिड़ंत हुई। लगातार चौथे वर्ल्ड कप

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

नॉक आउट राउंड में शिकस्त झेलकर साउथ अफ्रीका की टीम का चोकर्स का खिताब एक बार फिर उसी के नाम जस का तस रहा। 2023,24,25 और अब 2026 में भी इस टीम का यह सिलसिला जारी रहा।टेस्ट फॉर्मेट की वर्ल्ड चैंपियन एक बार फिर एक दिनी मुकाबलों के करो मरो दौर में फिसड्डी साबित हुई।वैसे तो चोकर्स कही जाने वाली यह टीम इन चार सालों में 2 बार यानी 2023 और 25 में 50 ओवर के मैचों में चुकी है लेकिन अगर बात टी20 फ़ॉर्मेट की करें तो फिर टी20 वर्ल्ड कप के 17 मैचों में इसने सिर्फ 2 मैच में शिकस्त झेली है।पहला 2024 का फाइनल टीम इंडिया से हारी तो फिरअब मौजूदा वर्ल्ड कप का सेमीफइनल न्यूजीलैंड से भी पिट गयी।मतलब पिछले 2 सालों से इस फ़ॉर्मेट के 15 मैच जीतने वाली टीम निर्णायक मौकों को भुनाने में नाकामयाब रही।बुधवार को कोलकाता के मैदान पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड टीम ने अफ्रीका की धज्जियां उड़ा दी।सही मायने में मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक यह मुकाबला एकतरफा ही रहा।भले ही दोनों टीमों के फील्डरों ने इस मैच में कई कैच गिराये हों,लेकिन बावजूद इसके मैच के रुख में कोई बदलाव नजर नहीं आया।इस मैच के एकतरफा रिजल्ट से एक बात साफ हो गयी है कि किसी भी बड़े टूर्नामेंट के बड़े मैच में इतिहास के कोई मायने नहीं होते हैं।जीत के लिए किसी भी टीम का खास दिन पर उसके खिलाड़ियों का किरदार ही निर्णायक रहता है।खैर यह सब बातें तो पहले सेमीफाइनल की रही हैं,जिसमे न्यूजीलैंड टीम ने धमकेदार जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।वहीं अब हम बात आज मुंबई में होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की करें तो टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप में यह लगातार तीसरी भिड़ंत है।2022 में मिली हार का हिसाब किताब बराबर करते हुए 2024 के सेमीफाइनल में हराया और फिर टीम इंडिया ने खिताब भी अपने नाम किया था।भले ही पहले सेमीफाइनल की तरह तमाम गणितज्ञ के आकलन में इतिहास और जीत हार की संख्या के अनुमान लगाये जा रहे हों,लेकिन सच तो यही है कि क्रिकेट के खेल में न तो इतिहास की कोई अहमियत होती है न ही अगर मगर के कोई मायने रहते हैं।ऐसा ही कुछ अफ्रीका-न्यूजीलैंड मुकाबले में देखने को भी मिला है।वैसेअगर वाकई क्रिकेट के खेल में इस तरह की बाजीगरी चलती होती तो फिर इसको अनिश्चितता का खेल नहीं कहा जाता।इस मैच के लिए टीम इंडिया का पलड़ा मजबूत होने की वजह मौजूदा वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के अब तक का सफर हो सकता है।एक ओर जहां इंग्लैंड टीम ने ज्यादातर मैच लड़खड़ाते हुए जीते हैं वहीं टीम इंडिया के हिस्से में अफ्रीका से मिली एकमात्र हार और बल्लेबाजों व गेंदबाजों का अनिश्चितता भरा खेल रहा है।बल्लेबाजी की गहराई की वजह से भले ही टीम इंडिया ने सभी मैच जीत लिए हों,लेकिन उसकी असल चिंता गेंदबाजी कॉम्बिनेशन ही रही है। इसी वजह से एकादश में कुलदीप यादव पर टीम इंडिया दांव नहीं खेल पा रही है।कुछ मैचों में चक्रवर्ती का महंगा साबित होना टीम इंडिया की सबसे बड़ी परेशानी है।टीम संयोजन में 8वें क्रम तक बल्लेबाजी के तय चयन के बाद 3 गेंदबाजी विकल्प के चयन में अर्शदीप को प्राथमिकता मिलने की वजह उनके द्वारा अपने कोटे के ओवर पर मैनजमेंट का भरोसा कहा जा सकता है।मतलब साफ है कि मुंबई के मैदान में होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया के एकादश संयोजन में फेरबदल की गुंजाइश न के बराबर है।वहीं अगर बात टॉस की करें तो फिर यह पहलू बेहद दिलचस्प रहेगा क्योंकि टॉस जीतने वाले कप्तान को अपने फैसले को सही साबित करने की असल चुनौती रहेगी।टीम इंडिया से हटकर अगर बात इंग्लैंड टीम की करें तो फिर अंग्रेजों की सबसे बड़ी परेशानी उसके टॉप आर्डर की नाकामी रही है।बटलर और साल्ट इस फ़ॉर्मेट के वह बल्लेबाज कहे जाते है जो किसी भी मैच का रुख पलटने की ताकत रखते है,लेकिन दोनों ही बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट में नाकाम रहे हैं।गेंदबाजी यूनिट(आर्चर,राशिद और जैक्स) के दमदार खेल और फिर कप्तान ब्रुक्स और जैक्स की दम पर सेमीफाइनल तक पहुंची इस टीम को जीत हासिल करने के लिए कुछ अलग करना होगा क्योंकि टीम इंडिया मुम्बई के मैदान पर हमेशा ही दमदार व बेहद मजबूत रही है।आज की इस भिड़ंत में बाजी किस टीम के खाते में जाती है यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन एक बात तय है कि कल खेले गए पहले सेमीफाइनल के बाद किसी भी टीम की दावेदारी के गणित लगाना इस फ़ॉर्मेट के नजरिये से बेहद पेचीदा कहा जा सकता है।

टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल आज, जो जीता वह खेलेगा फाइनल

भारत-इंग्लैंड लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में भिड़ेंगे, दोनों टीमों को एक-एक बार मिली है जीत

मुंबई, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल आज भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6:30 बजे होगा। दोनों टीमें सेमीफाइनल में लगातार तीसरी बार भिड़ेंगी। इससे पहले 2022 और 2024 में भी दोनों के मैच हुए, 1-1 जीत दोनों को मिली। सेमीफाइनल जीतने के बाद दोनों टीमों ने फाइनल भी जीता। भारत की टीम छठी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। टीम इससे पहले 2007, 2014, 2016, 2022 और 2024 में भी टॉप-4 टीमों में जगह बना चुकी है, टीम ने 5 में से 3 सेमीफाइनल जीते। वहीं, इंग्लैंड भी छठी बार सेमीफाइनल खेल रहा है। इससे पहले टीम 2010, 2016, 2021, 2022 और 2024 में इस स्टेज तक पहुंची थी। 3 सेमीफाइनल जीतकर टीम ने फाइनल में जगह बनाई थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक कुल 29 टी-20 मुकाबले खेले गए। भारत ने 17 और इंग्लैंड ने 12 मैच जीते। टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों ने 5 मैच खेले। भारत ने 3 और इंग्लैंड ने 2 जीते। इस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सूर्यकुमार यादव शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। उन्होंने 7 मैचों में 231 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 84 रन रहा। गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 7 मैचों में 12 विकेट झटके।

पिच रिपोर्ट और रिकॉर्ड

वानखेड़े स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। साफ मौसम के कारण ओस भी अहम भूमिका निभा सकती है, जिससे टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का फैसला ले सकती है। यहां 16 टी-20 इंटरनेशनल में 8 बार चेज करने वाली टीमों और 8 ही बार पहले बैटिंग करने वाली टीमों को जीत मिली। 254 रन इस मैदान का सबसे बड़ा स्कोर है, जो वेस्टइंडीज ने इसी वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया। यहां 32 पारियों में 6 बार 200 प्लस के स्कोर बन चुके हैं। इंग्लैंड की टीम ही 2025 में भारत के खिलाफ 97 रन पर ऑलआउट भी हो चुकी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में यहां 7 मैच खेले गए। शुरुआती 3 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने जीते। इसके बाद लगातार 3 मैचों में चेज करने वाली टीमों को सफलता मिली। आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए जिम्बाब्वे को 107 रन से हराया। भारत ने वानखेड़े में 7 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिनमें 5 जीते और 2 गंवाए। वहीं, इंग्लैंड ने यहां 6 टी-20 खेले हैं, 3 जीते और 3 ही गंवाए। भारत और इंग्लैंड इस मैदान पर दो बार भिड़ चुके हैं और दोनों को 1-1 में जीत मिली।

मुंबई में बारिश की कोई संभावना नहीं

गुरुवार को मुंबई में आसमान बिल्कुल साफ रहेगा और बारिश की संभावना बिल्कुल नहीं है। दिन का अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि रात में तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मुंबई में बारिश की कोई संभावना नहीं है, फिर भी आईसीसी ने एहतियात के तौर पर एक रिजर्व डे रखा है। अगर किसी कारण 5 मार्च को मैच पूरा नहीं हो पाता है, तो 6 मार्च (शुक्रवार) को रिजर्व डे पर मुकाबला खेला जाएगा।

केविन पीटरसन की भविष्यवाणी, न्यूजीलैंड से इंग्लैंड खेलेगा फाइनल

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को मेजबान भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाला है। सबकी निगाहें इस मैच पर हैं। पहला सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेला गया था। कीवी टीम ने साउथ अफ्रीका को एकतरफा मैच में 9 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड फाइनल में पहुंच गई है। अब भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले मुकाबले में से जो टीम जीतेगी वो न्यूजीलैंड के साथ 8 मार्च को अहमदाबाद में फाइनल खेलेगी। हालांकि भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी केविन पीटरसन ने बड़ी भविष्यवाणी की है। इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने सोशल मीडिया के सबसे चर्चित प्लेटफॉर्म में से एक एक्स पर ट्वीट किया है। उन्होंने प्रिडिक्शन किया है कि न्यूजीलैंड के साथ फाइनल मुकाबला इंग्लैंड खेलने वाली है। इससे उनका मानना है कि इंग्लैंड सेमीफाइनल में भारत को हरा देगा। केविन पीटरसन ने ट्वीट करते हुए लिखा, तो रविवार को टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड होने वाला है। अच्छा गेम होगा। बता दें कि 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में जब भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला हुआ था तो भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से बड़े अंतर से हराया था। हालांकि 2022 के टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हराया था।

एशियन कप में ईरान की महिला फुटबॉल टीम का मौन विद्रोह राष्ट्रगान का किया बायकॉट

ऑस्ट्रेलिया , एजेंसी

एशियन कप के उद्घाटन मुकाबले में ईरान की महिला फुटबॉल टीम ने ऐसा कदम उठाया, जिसकी चर्चा मैदान से ज्यादा मैदान के बाहर हुई. इजरायल और अमेरिका की ओर से हुए सैन्य हमलों के बाद टीम ने राष्ट्रगान के दौरान चुप्पी साध ली. कैमरे जब खिलाड़ियों और कोच पर गए तो किसी के होंठ हिलते नजर नहीं आए. माहौल गोल्ड कोस्ट स्टेडियम में भावुक और गंभीर था. ईरान का राष्ट्रगान Mehr-e Khavaran 1990 में अपनाया गया था. लेकिन इस बार टीम ने इसे गाने से परहेज किया. पिछले साल एशियन कप क्वालिफायर में टीम ने मौजूदा ईरानी झंडे को सलामी दी थी, ऐसे में इस बार का दृश्य बिल्कुल अलग था.

गोल्ड कोस्ट में स्टैंड्स में ईरानी समर्थकों का एक बड़ा वर्ग मौजूद था, जिन्होंने 1979 की इस्लामिक क्रांति से पहले वाले झंडे लहराए. 1907 में अपनाए गए पहले आधिकारिक झंडे में शेर और सूरज का प्रतीक था, जिसे बाद में हरे-सफेद-लाल झंडे से बदल दिया गया.

मैदान पर मुकाबला एकतरफा रहा. साउथ कोरि?या की फुटबॉल टीम ने शुरू से दबदबा बनाया. पहले हाफ में कोरिया के पास 81 प्रतिशत गेंद पर कब्जा रहा और 20 शॉट लगाए. 37वें मिनट में जांग सेल-गी का शॉट पोस्ट से टकराकर चोए यू-री के पास पहुंचा, जिन्होंने लेफ्ट फुट से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई.

ब्रेक के बाद ईरान ने तीन बदलाव किए और आक्रामक रुख अपनाया. 56वें मिनट में जाहरा घनबारी को मौका मिला, लेकिन उनका शॉट सीधे कीपर किम मिन-जुंग के हाथों में चला गया. अंततः कोरिया ने मुकाबला 3-0 से अपने नाम किया.

ईरान की कोच मरजियेह जाफरी ने सैन्य हमलों और देश के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत से जुड़े सवालों पर टिप्पणी करने से इनकार किया. उन्होंने टूर्नामेंट से पहले कहा था कि 2022 के भारत संस्करण के मुकाबले इस बार ग्रुप ज्यादा कठिन है, लेकिन टीम अनुभव के साथ उतरी है और ईरानी महिलाओं की क्षमता दिखाना चाहती है.

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

प्रियंका ने शेयर किए रोका सेरेमनी के इमोशनल पल, निक ने जीता दिल

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस आज ग्लोबल पावर कपल के तौर पर जाने जाते हैं। हाल ही में प्रियंका ने उस पल का जिक्र किया जिसने असल मायने में उनके रिश्ते की गहराई को बदल दिया था। मिथिकल किचन पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी रोका सेरेमनी से जुड़ी कुछ ऐसी बातें शेयर की। पॉडकास्ट में प्रियंका ने बताया कि कैसे मुंबई के उनके घर में बंद दरवाजों के पीछे हुई उस रस्म ने न केवल निक और उनके रिश्ते को एक नया नाम दिया, बल्कि उन्हें यह अहसास भी कराया कि वे एक-दूसरे के लिए ही बने हैं।

अपनी प्री-वेडिंग रस्मों को याद करते हुए प्रियंका ने बताया कि उनकी मां, मधु चोपड़ा, इस मौके को बेहद खास बनाना चाहती थीं। चूंकि प्रियंका के पिता उनके साथ नहीं थे, इसलिए मां ने पूरी कमान संभाली थी। प्रियंका ने कहा, मुझे अंदाजा नहीं था कि यह इतना इमोशनल होने वाला है। जब मैं नीचे आई, तो देखा कि मां ने घर का पूरा नक्शा ही बदल दिया था। सोफे हटा दिए गए थे और जमीन पर बैठने का इंतजाम था। चार पंडित मंत्रोच्चार कर रहे थे और बीच में हवन कुंड जल रहा था और पूरी फीलिंग ऐसी थी जैसे मैं एक नई जिंदगी में आ रही हूं। प्रियंका ने एक बड़ी ही दिलचस्प बात शेयर की। उन्होंने माना कि जब निक ने उन्हें सगाई की अंगूठी पहनाई थी, तब उन्हें उतना कुछ महसूस नहीं हुआ था जितना उस पूजा के दौरान हुआ। एक्ट्रेस ने बताया, जब हम हाथ में हाथ डाले उस हवन कुंड के पास बैठे, तब मुझे अहसास हुआ कि चीजें बदल रही हैं। वह पल मेरे लिए बहुत आध्यात्मिक था। मुझे लगा कि मैं सिर्फ एक रिश्ता नहीं जोड़ रही, बल्कि अपना परिवार चुन रही हूं।

प्रियंका ने भारतीय परंपराओं का किया जिक्र

सेरेमनी खत्म होने के बाद जब निक और प्रियंका कुछ पल के लिए अकेले हुए, तब निक ने कुछ ऐसा कहा जो किसी भी लड़की का दिल जीत सकता है। प्रियंका ने बताया, हम कपड़े बदलकर लंच के लिए नीचे आ रहे थे, तभी निक ने मेरा हाथ पकड़ा और कहा—मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि हम अपनी तीसरी या चौथी जिंदगी में साथ हैं। प्रियंका इस बात से हैरान रह गईं और उन्होंने निक से पूछा कि उन्हें ऐसा क्यों लग रहा है? निक के इस सवाल का जवाब देते हुए प्रियंका ने भारतीय परंपराओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हमारे यहां माना जाता है कि सात फेरों के साथ हम सात जन्मों का साथ निभाते हैं। जब प्रियंका ने निक से पूछा कि उन्होंने तीसरी या चौथी जिंदगी की बात क्यों की, तो निक का जवाब था— क्योंकि यह सब बहुत जाना-पहचाना लग रहा है।

मेट्रो बाजार

वैश्विक केमिकल सेक्टर में 2030 तक भारत की 5-6 प्रतिशत तक बढ़ेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। सरकार के अनुसार, वर्ष 2030 तक वैश्विक केमिकल सेक्टर में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 5-6 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है और 2040 तक यह क्षेत्र 1 ट्रिलियन डॉलर के टर्नओवर का लक्ष्य हासिल कर सकता है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि बायो-फार्मा शक्ति योजना और देश में तीन समर्पित केमिकल पार्कों के लिए 13,000 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान भारत के भविष्य में एक रणनीतिक निवेश है। पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2035 तक दुनिया की 40 प्रतिशत दवाएं बायोलॉजिक्स श्रेणी की होंगी। उन्होंने बताया कि 2030 तक करीब 300 अरब डॉलर के पेटेंट समाप्त हो रहे हैं। ऐसे में अब बायोलॉजिक्स की ओर बढ़ने का सही समय है और भारत बायोफार्मा मिशन के जरिए इस चुनौती का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मिशन के लिए अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। मंत्री ने कहा कि यदि भारत वैश्विक बायोसिमिलर बाजार में सिर्फ 1 प्रतिशत हिस्सेदारी भी हासिल कर लेता है, तो इससे देश को सालाना करीब 2 लाख करोड़ रुपए का अवसर मिल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिभा और कौशल विकास के साथ बेहतर तालमेल बनाकर एनआईपीईआर जैसे संस्थानों को और मजबूत करना जरूरी है। देश भर में 1,000 क्लीनिकल ट्रायल साइट विकसित करने से अनुसंधान क्षमता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

भारत दुनिया के लिए भरोसेमंद डिजिटल ब्रिज का निर्माण कर रहा है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि भारत केवल अपने 1.4 अरब नागरिकों के लिए नेटवर्क नहीं बना रहा, बल्कि पूरी दुनिया के लिए भरोसेमंद डिजिटल ब्रिज तैयार कर रहा है। उन्होंने स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 के दौरान भारत पवेलियन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। यह कार्यक्रम दुनिया के प्रमुख प्रौद्योगिकी और दूरसंचार मंचों में से एक है।

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की सोच से प्रेरित होकर भारत मानता है कि कनेक्टिविटी का उद्देश्य मानवता को सशक्त बनाना, साझेदारियों को मजबूत करना और साझा समृद्धि को बढ़ावा देना होना चाहिए। मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि जब दुनिया आईक्यू युग में कनेक्टिविटी के भविष्य पर चर्चा कर रही है, तब भारत बुद्धिमत्ता और इंफ्रास्ट्रक्चर के संगम पर खड़ा है, जहां कनेक्टिविटी क्षमता से जुड़ती है और नवाचार समावेशन से मिलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का टेलीकॉम परिवर्तन स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास, भरोसेमंद टेलीकॉम इकोसिस्टम, प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में गहरे एकीकरण पर आधारित रहा है। इस वर्ष भारत पवेलियन में टेलीकॉम क्षेत्र की 40 से अधिक भारतीय कंपनियां शामिल हुईं, जो 4जी, 5जी और उभरती 6जी तकनीक, ओपन रैन, ऑप्टिकल और सैटेलाइट संचार, सेमीकंडक्टर डिजाइन, एआई आधारित नेटवर्क इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, टेलीकॉम सॉफ्टवेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं

जज के सामने कभी नहीं रोया, सोशल मीडिया की खबरें मनगढ़ंत : कॉमेडियन का दावा

कॉमिडियन और अभिनेता राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने जज के सामने रोते हुए कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं। एक्टर ने कहा कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने इन दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने कहा, ÷सोशल मीडिया पर जो खबरें चल रही हैं, उनमें से कुछ शुभचिंतक फैला रहे हैं, जबकि ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं। मैं सबकी इज्जत करता हूं, लेकिन ऐसी अफवाहों पर यकीन न करें।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷अगर कोई राजपाल के चेहरे को देखता है, तो उसे सिर्फ हंसी आनी चाहिए। इससे ज्यादा की उम्मीद न करें। मेरा चेहरा हमेशा हंसी-खुशी का प्रतीक रहा है और रहेगा।÷ राजपाल ने इस दौरान मुश्किल समय में मिले सहारे की भी बात की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ खड़े हुए और उनकी मदद की।

हालांकि, सोशल मीडिया पर उन लोगों के नाम ज्यादा हाईलाइट नहीं हुए। एक्टर ने कहा कि परिवार से भी उन्हें लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सहारा है। गौरतलब है कि राजपाल यादव को हाल ही में चेक बाउंस के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 18 मार्च तक की अंतरिम बेल दी। सुनवाई के दौरान राजपाल के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि एक्टर ने 1.5 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया है।

न्यूज विंडो

पहलगाम हमले की जांच में पहली बार चीन की मदद लेगा भारत

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पहलगाम हमले की जांच के लिए अब चीन तक पहुंच गई है। इस हमले की जांच के दौरान बरामद हुआ गोप्रो हीरो-12 ब्लैक कैमरा सबसे पहले चीन में ही एक्टिवेट हुआ था। एनआईए यह पता लगाना चाहती है कि कैमरा सबसे पहले किसने और कहां इस्तेमाल किया और यह पहलगाम हमले में लिप्त आतंकियों तक कैसे पहुंचा। कैमरे का इस्तेमाल कथित तौर पर हमले से पहले पहलगाम और उसके साथ सटे इलाकों की रेकी के लिए किया गया था।जम्मू स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने इस मामले में चीन के सक्षम न्यायिक प्राधिकरण को लेटर रोगेटरी (अनुरोध पत्र) जारी करने के एनआईए के आग्रह को अनुमति दे दी है।यह पहला अवसर है जब जम्मू-कश्मीर में हुए किसी आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में भारत सरकार चीन से सहयोग लेगी। यह अनुमति दो मार्च को जम्मू स्थित विशेष जज (एनआईए अदालत) प्रेम सागर ने दी थी।आदेश के अनुसार, पहलगाम हमले की जांच में शामिल एनआईए के डीआइजी संदीप चौधरी ने एक आवेदन किया था। इसमें जांच में मदद के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय के जरिए अनुरोध पत्र जारी करने का आग्रह किया गया था। यह एक देश की अदालत द्वारा दूसरे देश की अदालत से की गई एक औपचारिक प्रार्थना है।

डाला रंग तो गुस्साई दादी ने उड़ेल दिया खौलता पानी, झुलसा मासूम

नागपुर। बीते दिनों पूरे देश में होली का पर्व मनाया गया। हर कोई एक दूसरे को अबीर-गुलाल और रंग लगाते नजर आए। इस बीच महाराष्ट्र के नागपुर से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जहां- एक छोटा बच्चा अपनी दादी के ऊपर रंग डाला तो दादी ने उस पर खौलता हुआ पानी फेंक दिया। जिससे बच्चा झुलस गया। दरअसल, यह घटना नागपुर के कोराडी जिले की है। जहां- 4 वर्षीय मासूम अपने घर के बाहर रंग से भरी स्प्रे बोतल से खेल रहा था, तभी गलती से उसने अपनी दादी सिंधु ठाकरे पर रंग छिड़क दिया। सिंधु ठाकरे होली की लकड़ी पर गर्म पानी से बाल्टी भर रही थीं।

45% झुलस गया बच्चा

पोते के रंग डालने से दादी इतना गुस्सा हो गईं कि उन्होंने खौलता हुआ पानी अपने पोते ओम पर ही डाल दिया। जिसके चलते बच्चा बुरी तरह झुलस गया। आनन-फानन में उसे नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों का अनुमान है कि उसका शरीर 45% जल गया है। पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पाकिस्तानी शख्स का खुलासा : ट्रंप और बाइडन की हत्या के लिए मुझे हायर किया

इस्लामाबाद। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिकी न्यायालय में एक 47 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट के खिलाफ सनसनीखेज मुकदमा शुरू हुआ है। आसिफ पर ईरान के साथ मिलकर अमेरिका में शीर्ष राजनेताओं की हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

इसमें राष्ट्रपति ट्रंप का नाम भी शामिल है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचा और नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले 'कॉन्ट्रैक्ट किलिंग' की व्यवस्था करने की कोशिश की। इस दौरान आशिफ ने ऐसे व्यक्ति से संपर्क किया, जिसे वह सुपारी किलर ढूंढने में सक्षम समझता था।लेकिन वह व्यक्ति बाद में FBI का मुखबिर बन गया और पूरी बातचीत रिकॉर्ड की गई। अमेरिकी अदालत में बताया गया कि मर्चेंट ने 5,000 डॉलर एडवांस राशि के तौर पर दो लोगों को दिए, जिन्हें वह सुपारी किलर (पेशेवर हत्यारा) समझ रहे थे। लेकिन वे दोनों FBI के अंडरकवर एजेंट निकले। आसिफ मर्चेंट जिन लोगों के हत्या की साजिश रच रहा था, उसमें वर्तमान राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प, तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार और पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली शामिल थीं। आसिफ ने अपनी गवाही में स्वीकार करते हुआ कहा वह ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहता था। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, आसिफ मर्चेंट ने अमेरिकी कोर्ट में कहा- मैं यह काम इतनी स्वेच्छा से नहीं करना चाहता था। उसने दावा किया कि उसने तेहरान में रह रहे अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए मजबूरी में इस साजिश में हिस्सा लिया। क्योंकि मेरे पास इसके लिए कोई और चारा नहीं था।

लगातार धमाकों से तेहरान में मची तबाही

तेहरान। अमेरिका इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में हमले तेज कर दिए है। प्रमुख शहरों में कई जोरदार धमाकों की खबर सामने आई है। स्थानीय मीडिया और चश्मदीदों के मुताबिक, शहर के मध्य हिस्से में कम से कम तीन विस्फोट सुने गए, जिसके बाद दो और धमाकों की सूचना मिली। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, उत्तरी तेहरान के सैय्यद खानदान इलाके में भी धमाकों की आशंका जताई गई है। हालांकि ईरानी अधिकारियों ने अब तक हमले की आधिकारिक पुष्टि या नुकसान के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। तस्वीर में आजादी टावर के पास यूएस-इजराइली हवाई हमले के बाद धुआँ उठता हुआ।

नेपाल में Gen-Z आंदोलन के 6 महीने बाद संसदीय चुनाव, मतदान जारी

नेपाल की 275 सीटों पर हो रहा चुनाव 18.9 करोड़ वोटर्स चुनेंगे सरकार

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में आज होने वाले चुनावों के लिए देश के सियासी दलों ने कमर कस ली है। सितंबर में जेन जेड की ओर से किए गए प्रदर्शनों के बाद अब यह पहला चुनाव है। एक ओर जहां इस चुनाव में कुछ नई पार्टियां युवाओं के वोटों को हासिल कर नेपाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को बदलने के लिए संघर्ष करेंगी तो कुछ पुराने दल इस चुनाव में अपनी वैधता की लड़ाई जारी रखेंगे। इनमें से कई पार्टियां तो अपना राष्ट्रीय दर्जा तक बचाने की जंग में होंगी।

ये ठोंक रहे पीएम पद के लिए ताल

नेपाल के आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए मुख्य रूप से चार बड़े नेता ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, अलग-अलग सर्वे एजेंसियों का मानना है कि मुख्य मुकाबला जेन जेड प्रदर्शनों के बाद उभरे बालेन्द्र शाह और इस प्रदर्शन के बाद पद छोड़ने को मजबूर हुए केपी शर्मा ओली के बीच ही होगा।

1. बालेन्द्र शाह (बालेन): 35 वर्षीय बालेन का जन्म 1990 में काठमांडू में हुआ था, जब नेपाल में माओवादी गृहयुद्ध चल रहा था। पेशे से वह एक सिविल इंजीनियर हैं और राजनीति में आने से पहले

एक अंडरग्राउंड हिप-हॉप आर्टिस्ट (रैपर) हुआ करते थे। उनके गानों में अक्सर भ्रष्टाचार और असमानता का कड़ा विरोध देखने को मिलता था, जिससे उन्हें युवाओं के बीच खासी पहचान मिली।

2. केपी शर्मा ओली: 74 वर्षीय और चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूएमएल के नेता हैं। ओली नेपाल के सबसे अनुभवी और सियासी ध्रुवीकरण करने वाले प्रमुख नेताओं में से एक हैं। किशोरावस्था में ही वह अंडरग्राउंड कम्युनिस्ट गतिविधियों से जुड़ गए थे। 1973 में राजशाही के खिलाफ अभियान चलाने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्होंने अपनी जिंदगी के 14 साल जेल में बिताए, जिनमें से 4 साल एकांतवास वाली जेल (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में थे।

3. गगन थापा: गगन थापा का जन्म 1976 में हुआ था। 1990 में पूर्ण राजशाही के खिलाफ हुए लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के दौरान एक किशोर के रूप में ही उनका झुकाव राजनीति की ओर हो गया था।

4. पुष्प कमल दहल 'प्रचंड': 71 वर्षीय पूर्व माओवादी नेता और तीन बार के प्रधानमंत्री प्रचंड अब नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और वह भी प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में गिने जा रहे हैं। मुख्यधारा की राजनीति में आने से पहले, प्रचंड एक पूर्व माओवादी नेता थे, जिन्होंने 2006 में राजनीति में शामिल होने से पहले एक दशक (1996 से 2006 तक) खूनी माओवादी विद्रोह का नेतृत्व किया था। वह तीन बार (2008-09, और 2016-17 के दौरान दो बार) देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

चुनाव के मुख्य मुद्दे

अधिकतर राजनीतिक दलों ने इन्हीं तीन मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी राजनीति तय की है।

भ्रष्टाचार और सुशासन : सितंबर 2025 में युवाओं के भारी विरोध-प्रदर्शनों के बाद, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना और बेहतर सुशासन देना इस चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। युवाओं की मुख्य मांग यह रही है कि भ्रष्ट नेताओं को सजा मिले और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता आए।

बेरोजगारी और रोजगार सृजन : नेपाल में युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर काफी अधिक है, जिसके कारण रोजगार पैदा करना सभी राजनीतिक दलों के लिए एक प्रमुख चुनावी मुद्दा है।

आर्थिक ठहराव और गरीबी : नेपाल की लगभग 20 प्रतिशत आबादी अभी भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। ऐसे में थमी हुई अर्थव्यवस्था को फिर से गति देना और गरीबी कम करना मतदाताओं और चुनाव के अहम मुद्दों में शामिल है।

इंग्लैंड से वापस आएगी 500 साल पुरानी मूर्ति, तमिलनाडु के मंदिर में होगी स्थापित

नई दिल्ली। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एशमोलियन म्यूजियम ने 16वीं सदी की एक कांस्य मूर्ति भारत को लौटा दी है। यह मूर्ति अब तमिलनाडु के उस मंदिर में वापस भेजी जाएगी, जहां से इसे चोरी कर बाहर ले जाया गया था। भारत को लौटाई गई यह मूर्ति करीब 500 साल पुरानी है, जो कि थिरुमंगई आळ्वार की है।ब्रिटेन से वापस आने वाली यह मूर्ति साल 967 में सोथबीज़ खरीदी गई थी। हालांकि साल 2019 में एक रिसर्चर ने बताया कि यह मूर्ति थाडिकोम्बु में श्री सौंदरराजा पेरुमल के मंदिर की है। इस जानकारी के सामने आने के बाद म्यूजियम की तरफ से भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया गया।म्यूजियम की तरफ से भारत सरकार से इस मूर्ति और मंदिर से संबंधित जानकारी मांगी गई थी। जानकारी सामने आने के बाद यह साबित हुआ कि यह मूर्ति असल में तमिलनाडु की ही है। लंदन स्थित इंडिया हाउस में एक औपचारिक समारोह के दौरान यह मूर्ति भारत को सौंप दी गई।

इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा में हत्या, घर में घुसकर मारा चाकू

विंडसर, एजेंसी

जालंधर मूल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा के विंडसर शहर में हत्या कर दी गई है। नैन्सी डेरा ब्यास के मुखी बाबा गुरिंदर ढिल्लों और खालिस्तानी गतिविधियों की सोशल मीडिया पर खुलकर आलोचना करती थीं।

अज्ञात हमलावर ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल नैन्सी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद भारतीय समुदाय में भी सनसनी फैल गई है। कनाडा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।कनाडाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मंगलवार रात पुलिस को सूचना मिली कि विंडसर के टॉड

लेन इलाके में रहने वाली नैन्सी ग्रेवाल पर उनके घर के भीतर चाकू से हमला किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसेक्स-विंडसर आपातकालीन चिकित्सा सेवा के सदस्य रात करीब साढ़े नौ बजे टॉड लेन के 2400 ब्लॉक में पहुंचे। मौके पर पहुंची टीम ने गंभीर रूप से घायल नैन्सी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया।

कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने की जमकर तारीफ

एक बेजोड़ शख्स हैं प्रधानमंत्री मोदी

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित एक सेमिनार में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने पीएम मोदी को एक अनोखा इंसान बताया। कार्नी ने भारत के अपने पिछले दौरे और मोदी के साथ हुई मुलाकात के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मोदी का समर्पण अद्भुत है। पिछले 25 वर्षों में उन्होंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। चाहे वे गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हों या अब देश के प्रधानमंत्री, उन्होंने लगातार काम किया है।

कार्नी ने बताया कि मोदी हर वीकेंड पर चुनाव प्रचार के लिए जाते हैं। उनकी रैलियों में ढाई लाख से ज्यादा लोग जुटते हैं। उन्होंने मोदी के काम करने के तरीके पर भी बात की। कार्नी के अनुसार, मोदी का पूरा ध्यान

गांव के लोगों की जरूरतों को पूरा करने पर रहता है। वे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने में यकीन रखते हैं।

उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और यूपीआई की विशेष रूप से तारीफ की। कार्नी ने कहा कि मोदी ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जिसे कोई भी अपना सकता है। इस तकनीक की वजह से पैसा बिना किसी बिचौलिए के सीधे लोगों के खातों में पहुंचता है। इसमें किसी भी तरह की हेराफेरी की गुंजाइश नहीं रहती। इस बदलाव ने करोड़ों लोगों को देश की मुख्य अर्थव्यवस्था से जोड़ दिया है।

कार्नी का यह भारत दौरा दोनों देशों के बीच बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिए था। इस दौरान तकनीक और संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों में अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने इसे साझेदारी का नया दौर करार दिया। कार्नी ने भरोसा दिलाया कि कनाडा भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में पूरी मदद करेगा। कनाडाई कंपनी कैमेको ने भारत को यूरेनियम सप्लाई करने के लिए एक लंबा समझौता किया है।

मेट्रो एंकर हेजल कीच से गीता बसरा तक ने बिखेरा जलवा, 'लेडी गैंग' ने लूटी महफिल

अर्जुन-सानिया की प्री वेडिंग सेरेमनी में उमड़ा क्रिकेट जगत

मुंबई, एजेंसी

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के घर इन दिनों खुशियों का माहौल है। सचिन के बेटे और उभरते हुए ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर अपनी जिंदगी की नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। अर्जुन और उनकी मंगेतर सानिया चंडोक की प्री-वेडिंग सेरेमनी की शुरुआत एक बेहद भव्य और रंगीन 'मेहंदी रस्म' के साथ हुई। इस खास मौके पर क्रिकेट जगत के कई दिग्गज सितारे अपनी पत्नियों के साथ शिरकत करने पहुंचे, जिससे शाम की चमक और भी बढ़ गई। मुंबई में आयोजित इस निजी समारोह में भारतीय क्रिकेट के 'गोल्डन एरा' की झलक देखने को मिली। सचिन तेंदुलकर के पुराने और करीबी साथी खिलाड़ी इस खुशी के मौके पर उन्हें बधाई देने पहुंचे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज

युवराज सिंह, हरभजन सिंह, इरफान पठान और यूसुफ पठान अपनी-अपनी पत्नियों के साथ बेहद रॉयल अंदाज में नजर आए।

युवराज सिंह हमेशा की तरह अपने स्वैग में दिखे, वहीं उनकी पत्नी हेजल कीच ने पारंपरिक परिधान में महफिल लूटी। हरभजन सिंह और गीता बसरा की जोड़ी ने भी इस शाम को यादगार बनाया। इरफान पठान अपनी पत्नी सफा बेग और यूसुफ पठान अपनी पत्नी के साथ पहुंचे। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चडोक की मेहंदी और संगीत सेरेमनी में पठान परिवार का सादगी भरा अंदाज चर्चा का विषय बना रहा। अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च को होगी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तस्वीरें

जैसे ही इरफान पठान और हरभजन सिंह ने इस समारोह की तस्वीरें साझा कीं, फैंस के बीच अर्जुन की शादी को लेकर उत्साह दोगुना हो गया। एक तस्वीर में युवराज, भज्जी और पठान भाई एक साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, जिसने फैंस को पुराने दिनों की याद दिला दी जब ये दिग्गज मैदान पर भारत को जीत दिलाते थे। कमेंट्स में लोग अर्जुन और सानिया को 'परफेक्ट कपल' बता रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564